राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 01 जून 2025 वर्ष-8,अंक-102 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सीडीएस ने माना, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत का लड़ाकू विमान भी नष्ट हुआ

पाकिस्तान के राफेल सहित छह विमानों को मार गिराने के दावे को खारिज किया

नई दिल्ली।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के एक के बाद एक दावों की पोल खुलने लगी। लेकिन इसके बीच पाकिस्तान द्वारा एक ऐसा दावा किया गया था, इसपर भारतीय पक्ष से अब तक कोई जवाब नहीं आया था। पाकिस्तान का दावा था कि भारत के पांच फाइटर जेट्स मार गिराए हैं। अब इसके जवाब में भारत ने पहली बार इसकी पुष्टि की है। उन्होंने स्वीकारा किया हैं कि भारत का लड़ाकू विमान भी इसमें नष्ट हुआ है। हालांकि सीडीएस अनिल चौहान ने बताया कि कभी भी परमाणु युद्ध की नौबत नहीं आई। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल चौहान पहले भारतीय अधिकारी बन गए हैं जिन्होंने पुष्टि की है कि 7 मई को पाकिस्तान के साथ झड़पों में भारतीय वायुसेना ने कुछ लड़ाकू विमान गंवाए हैं। सिंगापुर में एक साक्षात्कार में हालांकि उन्होंने उस रात भारत द्वारा खोए गए लड़ाकू विमानों की सटीक संख्या बताने से इंकार किया। जनरल चौहान ने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि विमान गिरा, बल्कि यह है कि वे क्यों गिराए गए। लड़ाकू विमानों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा वे क्यों गिरे, क्या गलतियाँ हुईं, यही महत्वपूर्ण है। संख्याएँ महत्वपूर्ण नहीं हैं। उन्होंने पाकिस्तान के उन दावों को भी बिल्कुल गलत बताया कि छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। दरअसल आधिकारिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और वायु संचालन महानिदेशक एयर मार्शल एके भारती ने नुकसान से इंकार नहीं किया था। भारती ने कहा था कि हम युद्ध की स्थिति में हैं और नुकसान युद्ध का एक हिस्सा है, लेकिन उन्होंने कोई भी विवरण देने से इंकार कर दिया। जनरल चौहान नुकसान की पुष्टि करने वाले पहले अधिकारी बन गए हैं। सीडीएस ने बताया कि भारत ने उन नुकसानों से सबक सीखा है और संघर्ष के दौरान उन्हें लागू किया है। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया था कि उनके देश ने संघर्ष की पहली रात को तीन फ्रांसीसी राफेल सहित छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया था।

दिल्ली को जल्द मिलेगा नया राज्यपाल, मनोह सिन्हा की होगी पार्टी संगठन में वापसी

नई दिल्ली।

दिल्ली को जल्द ही एक नया उपराज्यपाल (एल-जी) मिलने की संभावना बन रही है। केंद्र कथित तौर पर राज्यपालों के पदों में फेरबदल पर विचार कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के एलजी के लिए तीन नामों अजय भल्ला, राजेश खुल्लर और सी वी आनंद बोस के नाम प्रमुख है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के मौजूदा एलजी वीके सक्सेना को जम्मू-कश्मीर या बंगाल भेजा जा सकता है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा को कथित तौर पर पार्टी संगठन में लाने पर विचार कर रही है। एक भाजपा नेता ने कहा कि सिन्हा सबसे अच्छे चुनावी रणनीतिकारों में से एक हैं और एक सख्त टास्कमास्टर हैं। पार्टी प्रमुख के पद के लिए उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में मणिपुर के राज्यपाल भल्ला, सक्सेना की जगह लेने के लिए सबसे आगे हैं, उनके बाद पूर्व आईएएस अधिकारी खुल्लर का नाम है। दिल्ली में प्रशासनिक भूमिकाओं में अपने अनुभव के कारण भल्ला को यह पद दिया जा रहा है हालांकि, मणिपुर में सरकार बनने के बाद ही भल्ला दिल्ली में वापसी कर सकते है। ऐसी खबरें हैं कि सरकार पूर्वोत्तर मामलों को संभालने का अनुभव रखने वाले किसी पूर्व आईएएस या आईपीएस अधिकारी को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त कर सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखी भारत की नारी शक्ति की ताकत

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की रक्षा क्षमताओं का लोहा पूरी दुनिया ने माना है। लेकिन साथ ही भारतीय सैन्य बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और अग्रिम मोर्चे पर उनकी क्षमता को विश्व ने देखा है। खुद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नारी शक्ति की सराहना कर कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई में महिला पायलटों ने पाकिस्तान में ठिकानों को नष्ट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। गोवा में आईएनएसवी तारिणी के फ्लैग-इन समारोह को संबोधित राजनाथ सिंह ने कहा कि जब से सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, उन्होंने हर भूमिका में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि आज सैनिक स्कूलों के दरवाजे लड़कियों के लिए खुले हैं और नेशनल डिफेंस एकेडमी से 17 महिलाएं पास आउट हुई हैं।

रक्षा मंत्री सिंह ने गोवा में दो महिला नौसेना अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए की भी सराहना की, जो नाविका सागर परिक्रमा सेंकड के सफल समापन के बाद घर आई हैं।

बता दें कि इन दोनों महिला अधिकारियों ने आठ महीनों में 25,600 समुद्री मील की दूरी तय की, जिसमें फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलेटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप समूह) और केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका) में पोर्ट कॉल किए गए।

वहीं बीएसएफ की सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने जवानों का नेतृत्व कर 'जीरो लाइन' के पार शत्रु की तीन अग्रिम चौकियों को मुंहतोड़ जवाब देकर खामोश कर दिया था। नेहा के अलावा छह महिला कांस्टेबल अग्रिम सीमा चौकी पर बंदूक थामे थीं और सांबा-आर एस पुरा-अखनूर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार दुश्मन के ठिकानों पर दागी गई हर गोली के साथ उनका जोश बढ़ता जा रहा था। उन्होंने कहा, ''मेरे साथ 18 से 19 महिला सीमा रक्षक थीं। छह महिलाएं निगरानी चौकियों पर पर गोलीबारी का जवाब दे रही थीं। हमें उन पर गर्व है।''

अग्रिम चौकियों पर महिलाओं की भूमिका और पाकिस्तानी चौकियों पर गोलीबारी में उनकी भागीदारी की प्रशंसा कर बीएसएफ के महानिरीक्षक शशांक आनंद ने कहा, ''बीएसएफ की महिलाकर्मियों ने ऑपरेशन में शानदार भूमिका निभाई। हालांकि उनके पास बटालियन मुख्यालय में जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने अपने पुरुष समकक्षों के साथ अग्रिम चौकियों पर ही रहने का फैसला किया और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया।

एनडीए का नया रिकॉर्ड

दूसरी ओर, पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से स्नातक 17 महिला कैडेट के पहले बैच ने 300 से अधिक पुरुष कैडेट के साथ 'पासिंग आउट परेड' में हिस्सा लेकर इतिहास रच दिया। एनडीए में पुरुष और महिला कैडेट का यह पहला सह-शिक्षा बैच है। कैडेट खड़कवासला में त्रि-सेवा प्रशिक्षण अकादमी के खेत्रपाल परेड ग्राउंड में 'अंतिम पग' से गुजरे, जिसे व्यापक रूप से ''नेतृत्व का उद्गम स्थल'' के रूप में जाना जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के सीजफायर कराने वाले राग को भारत ने सिरे से किया खारिज

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को पूर्ण संघर्षविराम, संभवतः परमाणु टकराव होने से रोका है। ट्रंप ने कहा कि हमने व्यापार पर बात की और हमने कहा कि हम उन लोगों के साथ व्यापार नहीं कर सकते जो एक-दूसरे पर गोली चला रहे हैं और संभावित रूप से परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की बात कर रहे हैं। उनके पास में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क बैठे थे, जो ट्रंप प्रशासन में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका से हट रहे हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि जिस ''सौदे'' पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है, वह भारत और पाकिस्तान के बीच ''संभावित परमाणु युद्ध को गोलियों के बजाय व्यापार'' के जरिए से रोकने में सफल रहना है। ट्रंप ने पिछले कुछ हफ्तों में कई बार दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। उन्होंने कहा कि अगर वे संघर्ष नहीं रोकेंगे तो अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार बंद कर देगा। भारत ने गुरूवार को कहा था कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच बातचीत में व्यापार के मामले पर कोई चर्चा ही नहीं हुई है। भारत ने अमेरिका के इस दावे को खारिज किया है कि व्यापार संबंधी उसके प्रस्ताव के कारण संघर्ष रोकने पर सहमति बनी है। ट्रंप ने शुक्रवार को फिर वही दावा दोहराया। ट्रंप ने कहा कि आमतौर पर वे गोलियों के जरिए से ऐसा करते हैं। हम व्यापार के जरिए से ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे इस पर बहुत गर्व है। कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान और भारत के बीच एक बहुत ही भयानक संभावित युद्ध हो रहा था। अब यदि आप देखें तो वे सही दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत बुरा होता जा रहा था। वे दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तानी प्रतिनिधि अगले सप्ताह अमेरिका आ रहे हैं। ट्रंप ने 'एयर फोर्स वन' से निकलने के बाद कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, हम भारत के साथ सौदा करने के बहुत करीब हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर वे एक-दूसरे के साथ युद्ध करते हैं तो मुझे उनमें से किसी के साथ सौदा करने में कोई दिलचस्पी नहीं। मैं ऐसा नहीं करूंगा और मैं उन्हें बता दूंगा। यह एक दिन में दूसरी बार है जब ट्रंप ने अपना यह दावा दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच उन्होंने सीजफायर करवाया। ट्रंप ने कहा कि वह ''भारत और पाकिस्तान के नेताओं और अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के नेता ''महान'' हैं और ''उन्होंने समझदारी दिखाते हुए सहमति जताई जिसके बाद यह सब बंद हो गया। ट्रंप ने कहा कि हम दूसरों को भी लड़ने से रोक रहे हैं क्योंकि आखिरकार हम किसी से भी बेहतर लड़ सकते हैं। हमारे पास दुनिया की सबसे बेहतरीन सेना है।

भारत का जिगरी दोस्त रुस पाकिस्तान में करेगा करोड़ों निवेश...क्या पीट में छुरा घोपा

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और चीन के संबंध कैसे हैं। इससे पूरी दुनिया वाकिफ है। लेकिन अब पाकिस्तान की मदद के लिए एक ऐसा देश सामने आया है, जो भारत का सबसे अच्छा दोस्त हैं। रूस का ये कदम भारत के लिए चिंता की बात हो सकती है। दरअसल, रूस के सहारे पाकिस्तान की सरकार अपने उद्योग को फिर से पटरी पर लाने का काम कर रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच रूस ने पाकिस्तान के साथ एक अहम आर्थिक समझौता किया है। अरबों डॉलर के सौदे के तहत कराची में एक आधुनिक स्टील प्लांट बनाया जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य सोवियत निर्मित पाकिस्तान स्टील मिल्स (पीएसएम) को पुनर्जीवित करना है, जो 2015 से बंद है। इस सौदे की अनुमानित लागत 2.6 बिलियन डॉलर (करीब 22,000 करोड़ रुपये) है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है। यह प्लांट 1970 के दशक में सोवियत संघ की मदद से स्थापित किया गया था। यह 1992 तक चालू रहा, लेकिन आर्थिक और तकनीकी कारणों से 2015 में बंद कर दिया गया। नए समझौते के तहत रूस उन्नत स्टील निर्माण तकनीक यानी स्टील उत्पादन के लिए सबसे उन्नत तकनीक वाली मशीनें मुहैया कराएगा, जिससे पाकिस्तान की स्टील आयात पर निर्भरता 30 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है। इस परियोजना का उद्देश्य पाकिस्तान के 11.2 मिलियन मीट्रिक टन स्टील खपत घाटे को कम करना है। मार्च 2025 में आयातित स्क्रैप और अर्ध-तैयार उत्पादों की लागत 324 मिलियन डॉलर थी। इस डील से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्टील के आयात में 30 प्रतिशत की कमी से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम होगा, जो पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है, जो वर्तमान में आर्थिक संकट से जूझ रहा है। रूस की उन्नत स्टील निर्माण तकनीक का उपयोग करके, पाकिस्तान का स्टील उद्योग आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनेगा। **भारत के लिए चिंता की बात है?** यह समझौता भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच हुआ है, जिससे भारत में इस डील को लेकर चिंताएं हैं। रूस हमेशा से भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता रहा है, लेकिन इस बार उसकी प्रतिक्रिया संतुलित और तटस्थ रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हमले की निंदा की, लेकिन भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आह्वान किया और मध्यस्थता की पेशकश भी की।

एनएचएआई की जमीन पर अतिक्रमण कर किराए पर दी, कोर्ट भी हैरान

हाईकोर्ट ने की याचिका खारिज, मामले को बताया अनूठा मामला

प्रयागराज।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की जमीन पर वक्फ मदरसा द्वारा निर्माण कराकर उसे किराए पर देने पर आश्चर्य जताया है। यह बताए जाने पर कि याचिकाकर्ता वक्फ ने एनएचएआई की भूमि पर अतिक्रमण किया है, हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने वक्फ की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने इस मामले को एक ÷अनूठा मामला÷ बताया, जहां एनएचएआई की जमीन पर अतिक्रमण करके मदरसा और कुछ अन्य निर्माण किए गए और इस संपत्ति के वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा रहा है। वक्फ ने विवादित संपत्ति को ध्वस्त करने से प्रतिवादियों को रोकने और किसी नए निर्माण पर रोक लगाने की मांग करते हुए यह याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उस जमीन पर एक मदरसा, मस्जिद और एक पुलिस चौकी पहले से मौजूद थी। याचिकाकर्ता के इस दावे के संबंध में वह भूमि वक्फ की संपत्ति है, प्रतिवादियों ने कहा कि यह संपत्ति वक्फ के तौर पर वक्फ बोर्ड में पंजीकृत नहीं है। प्रतिवादियों ने मामले में एक संशोधन याचिका दायर की, जिसे निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने पुनरीक्षण याचिका दायर की, जो खारिज कर दी गई। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने कहा कि संशोधन की याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती क्योंकि प्रतिवादी इसके

जरिये एक नया वाद खड़ा कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने किसी भी स्तर पर वक्फ का पंजीकरण नहीं दिखाया और यह नहीं बताया कि कैसे वह संपत्ति, वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत वक्फ संपत्ति है। कोर्ट ने कहा कि वह एनएचएआई की संपत्ति है और निचली अदालत के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। यह आदेश 12 मई का है, जिसे शुक्रवार को अपलोड किया गया था।

असम में देशद्रोहियों के खिलाफ एक्शन जारी, पाकिस्तान प्रेमी की गिरफ्तारी

इस तरह गिरफ्तारियों की कुल संख्या 79 हो गई

डिसपुर।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान से मोहब्बत रखने के आरोप में राज्य में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस तरह गिरफ्तारियों की कुल संख्या 79 हो गई है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान दरांग जिले के मंगलदाई निवासी फरीज-उल हक के रूप में हुई है। सीएम सरमा ने कहा, पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वालों पर कार्रवाई लगातार जारी है। अब तक 79 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सीएम शर्मा ने पहले कहा था कि देशद्रोहियों पर राज्यव्यापी कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है जो कथित तौर पर ''भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों'' में लिप्त हैं।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गगनयात्री कैप्टन शुक्ला करेंगे ये प्रयोग

सलाद के बीजों का अंतरिक्ष में उगना अहम

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के आगामी मिशन को लेकर बड़ा बयान दिया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण से जुड़े प्रयोग करुंगा। इसरो के अनुसार, 7 माइक्रोग्रैविटी प्रयोगों का चयन हुआ है। ये विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों के भारतीय शोधकर्ताओं की ओर से प्रस्तावित किए गए हैं। ये प्रयोग मानव स्वास्थ्य, जीव विज्ञान, मेटरियल रिसर्च, नई दवाओं के विकास और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। रिपोर्ट के मुताबिक, 8 जून को शुरू होने वाले मिशन में शुभांशु शुक्ला कई तरह के प्रयोग करने वाले हैं।

इसमें माइक्रोएल्गी पर अंतरिक्ष के विकिरण का असर और सलाद के बीजों का अंतरिक्ष में उगना अहम है। साथ ही, टार्डिग्रेड नाम के छोटे जीवों की अंतरिक्ष में जीवित रहने और प्रजनन की क्षमता, मांसपेशियों के विकास पर पूरकों का प्रभाव और खाद्य फसलों के बीजों की वृद्धि का भी आकलन किया जाएगा। इन सारे प्रयोगों में आईएसएस की सुविधाओं का इस्तेमाल होगा और इन्हें सख्त जांच के बाद ही वहां ले जाया जाएगा।

देश में 500 और 200 के नकली नोट के बढ़ने से चिंतित आरबीआई

नई दिल्ली।

देश में नकली करेंसी का खतरा फिर बढ़ रहा है, खासकर 500 और 200 के नोटों को लेकर चिंता बढ़ी है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में सामने आया है कि 500 के नकली नोटों की संख्या में 37.3 प्रतिशत और 200 के नकली नोटों में 13.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि में कुल 2,17,396 नकली नोट पकड़े गए, जो कि बीते कुछ वर्षों की तुलना में काफी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, नकली नोटों का बड़ा हिस्सा निजी बैंकों द्वारा पकड़ा गया है, जबकि केवल 4.7 प्रतिशत नोट आरबीआई की निगरानी में आए हैं। यह दिखाता है कि नकली नोट आम बैंकिंग लेन-देन के जरिए बाजार में आ रहे हैं, जिससे आम जनता के लिए सतर्क रहने की जरूरत है।

500 के नकली नोटों की कुल संख्या 1,17,722 है,जबकि 200 के नकली नोट 32,660 पकड़े हैं। कुल नकली नोटों की संख्या 2022-23 के 2,25,769 से कुछ कम होकर 2024-25 में 2,17,396 रह गई है, लेकिन फिर भी चिंता का विषय है कि 500 और 200 के नोटों में नकली नोटों की संख्या में वृद्धि हुई है। नकली नोटों के इस बढ़ते प्रचलन को रोकने के लिए आम लोगों को खुद भी सतर्क रहना होगा और नोटों की जांच करने की आदत डालनी होगी। असली 500 नोट की पहचान करने के लिए कुछ खास बातें ध्यान में रखनी होंगी, जैसे इसका रंग स्टोन ग्रे होता है, आकार 66 मिमी × 150 मिमी है, और इसमें महात्मा गांधी की तस्वीर के साथ देवनागरी में '500' लिखा होता है। सिक्योरिटी थ्रेड रंग बदलने वाला होता है जो हरे से नीले रंग में बदलता है। इसके अलावा नोट में गांधी जी की वॉटरमार्क छवि और '500' अंकित होता है। नोट के पीछे लाल किले की तस्वीर होती है। वहीं 200 के नोट का रंग ब्राइट येलो

है, आकार 66 मिमी ×146 मिमी है, और इसमें भी गांधी जी की तस्वीर के साथ देवनागरी में '200' अंकित होता है। इसके पीछे सांची स्तूप की छवि और स्वच्छ भारत का लोगो मौजूद है। रिपोर्ट बताती हैं कि नकली नोट पकड़ने और इसके प्रसार को रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाना बेहद जरुरी है। अगर किसी के पास शक के तहत नोट हो, तब उसे बैंक में जांच कराना ही सबसे सही कदम होगा। नकली नोटों से बचाव और पहचान के लिए यह जानकारी हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकारी घोषणाओं के झरनों में सूखते भारत की पुकार!

नीति आयोग की 'जल प्रबंधन सूचकांक' 2018 की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि 2030 तक देश के 21 शहरों का भूजल पूरी तरह समाप्त हो सकता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब भी 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। विगत वर्षों में लातूर को ट्रेन से पानी भेजना पड़ा, बुंदेलखंड में महिलाएं निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करती हैं, और झारखंड के गाँवों में लोग पेड़ों से रिसती बूंदों को जमा करके पीते हैं। ये घटनाएं 21वीं सदी की नहीं लगतीं, फिर भी ये हमारे आज की सच्चाई है। विश्वगुरु बनाने को लालायित देश की हक़ीक़त है, लेकिन रहनुमाओं को सिर्फ़ अपनी फ़िक्र है।

(लेखिका – सोनम लववंशी)

पानी के लिए तरसती आंखें, सूखते कंठ, और एक झूठ जो हर चुनावी मंच पर झाग़ की तरह फूटता है—'हर घर नल से जल'। महाराष्ट्र के नासिक जिले का पेठ तालुका और उसका एक छोटा-सा गांव बोरीचिवारी, उस झूठ का ऐसा आईना है जिसमें सत्ता का चेहरा अब भी चमकता नहीं, बल्कि धुंधलाता हुआ नज़र आता है। यहाँ की महिलाएं आज भी जान हथेली पर रखकर कुएं में उतरती हैं, अपने और अपने परिवार के लिए कुछ बूंदें पानी की तलाश में। विकास के दावों की छाती पर चढ़कर जब लोकतंत्र की ये बेटियाँ रस्सियों के सहारे नीचे उतरती हैं, तब यह दृश्य 'अमृतकाल' नहीं, अपवित्र त्रासदी की गाथा गढ़ता है। वैसे ये तस्वीर सिर्फ़ नासिक के एक गांव की नहीं, सूखते कंठ की दर्द भरी दास्तां राष्ट्रव्यापी समस्या बन चुकी है। महाराष्ट्र के नासिक से लेकर झारखंड के पलामू तक, जल संकट की त्रासदी एक ऐसी सच्चाई है, जो सरकार के 'हर घर जल' जैसे तमाम वादों और अभियानों की पोल खोलती है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का दावा किया गया, लेकिन कैग और नीति आयोग की रिपोर्टें बताती हैं कि यह योजना आंकड़ों के मायाजाल से आगे नहीं बढ़ पाई।

नीति आयोग की 'जल प्रबंधन सूचकांक' 2018 की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि 2030 तक देश के 21 शहरों का भूजल पूरी तरह समाप्त हो सकता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब भी 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। विगत वर्षों में लातूर को ट्रेन से पानी भेजना पड़ा, बुंदेलखंड में महिलाएं निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करती हैं, और झारखंड के गाँवों में लोग पेड़ों से रिसती बूंदों को जमा करके पीते हैं। ये घटनाएं 21वीं सदी की नहीं लगतीं, फिर भी ये हमारे आज की सच्चाई हैं। विश्वगुरु बनाने को लालायित देश की हक़ीक़त है, लेकिन रहनुमाओं को सिर्फ़ अपनी फ़िक्र है। तभी तो बोतलबंद पानी पीने वाले नेतागण 'नमामि गंगे', 'अटल भूजल योजना' और 'जल क्रांति अभियान' जैसे कार्यक्रम को शुरू कर ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं। राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के अनुसार, ग्रामीण महिलाओं को प्रतिदिन 2-3 घंटे पानी लाने में गंवाने पड़ते हैं, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता हैं। जबकि यूनेस्को की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में जल संकट सामाजिक असमानता और जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर एक गहरी मानवीय आपदा का रूप ले चुका है, और यह अब चेतावनी नहीं, बल्कि वास्तविकता है।

इतना ही नहीं स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति जल की अनुपलब्धता के कारण भी प्रभावित होती है। यूनेस्को की ही एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, जल संकट वाले क्षेत्रों में लड़कियों की ड्रॉप-आउट दर लगभग 23 प्रतिशत से अधिक होती है। दूसरी तरफ हमारी रहनुमाई व्यवस्था है, जो 2024 आकर बीत जाने के बाद भी 'हर घर नल' वाला सपना भूल गई है। पीएम मोदी ने लालकिले से घोषणा की थी कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत देश के हर ग्रामीण घर को नल से शुद्ध पानी मिलेगा। सरकारी पोर्टल्स और पीआईबी की प्रेस रिलीज़ों में सफलता की झिलमिलाती कहानियाँ दर्ज हैं, करोड़ों कनेक्शन दिए जा चुके हैं, ग्राफ़ ऊपर की ओर जा रहे हैं और काग़ज़ों में भारत प्यासा नहीं है। लेकिन बोरीचिवारी में ज़मीन पर उतरते ही ये आँकड़े गले में अटक जाते हैं। महिलाओं के हाथों में मटके हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं, शिकायतें भरी हैं। कुएं में उतरकर पानी निकालने की उनकी आदत आज़ादी के 75 साल बाद भी नहीं छूटी, क्योंकि 'नल' उनके घर की दीवारों पर सिर्फ़ एक मेटल का पाइप है जो सूखा और खामोश है। ऐसे में क्या यही है 'अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस' मनाने का औचित्य? क्या यही है यूनिसेफ और नीति आयोग की सिफारिशों पर खरे उतरने वाला भारत? यदि जल जीवन मिशन इतना सफल रहा है, तो फिर क्यों पेठ तालुका के बोरीचिवारी, भोर, त्र्यंबकेश्वर, अक्कलगांव जैसे गांवों की बच्चियां स्कूल के बजाय दिन भर पानी की लाइन में लगी रहती हैं? क्या उनके लिए शिक्षा का अधिकार अब भी सिर्फ किताबों में छपी इबारत है?

भारत के संविधान की धारा 21 'जीवन के अधिकार' की बात करती है, जिसमें स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बुनियादी मानवीय अधिकार माना गया है। लेकिन इस अधिकार को पाने के लिए इन महिलाओं को कुएं की गहराई में उतरना पड़ता है, बिना सुरक्षा के महज एक रस्सी के सहारे। क्या इसी को 'सुशासन' कहते हैं? महाराष्ट्र में ही 2023-24 के बजट में जल संसाधन परियोजनाओं के लिए 15,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई थी। जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार ने 3.6 लाख करोड़ का प्रावधान किया था। इन योजनाओं का लाभ किसे मिला? क्या ठेकेदारों को? क्या टेंडर लेने वाले निगमों को? या फिर अधिकारियों की ट्रैवल रिपोर्ट्स को, जिनमें प्रोजेक्ट्स ऑन ट्रैक लिखा होता है? सरकारें आती हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन प्यास नहीं बुझती। नासिक जैसे अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी जब ये स्थिति है, तो आदिवासी और घने जंगलों में बसे गांवों की दशा की कल्पना मात्र ही सिहरन पैदा कर देती है। पेठ का यह गांव न तो बाढ़ग्रस्त है, न भूकंप-प्रभावित, फिर भी यहाँ पीने का पानी नहीं। क्यों?

जल संकट कोई अचानक आई आपदा नहीं, यह तो लंबे समय से तैयार किया गया एक 'सामाजिक अपराध' है—संवेदनहीनता का परिणाम। ग्राउंड वाटर लेवल गिरता रहा, तालाब और जलाशयों पर मॉल खड़े होते रहे, जल संरचनाओं की मरम्मत कागजों तक सीमित रही, और जनता को आश्वासन के पानी से बहलाया जाता रहा। कभी सरकारी बाबू कहते हैं कि पाइपलाइन बिछाई जा रही है, तो कभी सरपंच कहते हैं कि बिजली नहीं है, पंप चालू नहीं हो सकता। लेकिन असली सवाल कोई नहीं उठाता कि आखिर इन योजनाओं की मॉनिटरिंग कौन कर रहा है? पेठ जैसी जगहों में आरटीआई के ज़रिए पूछे गए सवालों के जवाब अक्सर 'रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं' कहकर टाल दिए जाते हैं। जनसुनवाई की बैठकें नदारद हैं और जनता के हिस्से में सिर्फ एक 'सुनो और भूल जाओ' वाली व्यवस्था है।

यह तस्वीर केवल एक गांव की नहीं है, यह तस्वीर उस राष्ट्र की है जो अब भी अपनी 50 करोड़ ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पानी की न्यूनतम गारंटी नहीं दे सका है। दुनिया भर में 'जलवायु परिवर्तन' की बड़ी-बड़ी कांफ्रेंस में भारत भागीदारी करता है, लेकिन अपने गांवों में पानी की कमी से आत्महत्या करते किसानों की सूची तक नहीं बनाता। क्या हमने कभी सोचा है कि जब एक बच्ची हर दिन 3-4 घंटे पानी लाने में खर्च करती है, तो उसकी शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है? जब एक माँ, जो प्रसव के बाद बमुश्किल ठीक हुई हो, कुएं में उतरती है, तो उसे जिंदगी की कितनी कीमत चुकानी पड़ती है? और जब पानी की एक बाल्टी के लिए झगड़े होते हैं, तो समाज के ताने-बाने पर कैसा असर होता है? सरकारों के पास 'पानी पर राजनीति' का अद्भुत हुनर है। कभी इसे मुफ्त देने का वादा, कभी टैक्स घटाने का एलान, और कभी नदी जोड़ो योजना जैसे 'विकासशील स्वप्न'। लेकिन जब ज़मीनी हालात से इन्हें टकराया जाता है, तो हकीकत वही रहती है सूखे नल, टूटे बर्तन और कुएं में उतरती ज़िंदगियाँ।

क्या इन महिलाओं ने भारत माता की जय नहीं बोला? क्या इन्होंने भी वोट नहीं दिया था? क्या इनके आँसू भी राष्ट्रगीत के सुरों से कमज़ोर हैं? अगर नहीं, तो क्यों इनकी प्यास पर सिर्फ भाषण मिलता है, योजना नहीं? क्या लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने की मशीन है और जनता सिर्फ एक आँकड़ा? आज अगर बोरीचिवारी की कोई महिला संविधान की धारा 21 के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दे कि उसे पीने के पानी की गारंटी दी जाए, तो क्या हम उसे विजयी कहेंगे या 'सरकारी तंत्र को बदनाम करने वाली'? दुख इस बात का है कि हम तकनीक की बात करते हैं, चंद्रयान की उपलब्धियों पर तालियाँ बजाते हैं, लेकिन धरती पर मौजूद कुएं के पानी तक पहुँचने के लिए हमारे पास कोई समाधान नहीं है। हम स्मार्ट सिटी बना रहे हैं, लेकिन बोरीचिवारी के लिए एक सिंपल पंप सेट भी नहीं लगा पाए और जब अगली बार प्रधानमंत्री कैमरे के सामने कहेंगे कि 'जल जीवन मिशन एक सफलता है', तो क्या बोरीचिवारी की कोई माँ अपना मटका दिखाकर पूछ सकेगी—'मोदी जी, इसमें क्या भरूं?' ऐसे में ये शब्द सिर्फ सरकार की विफलता पर कटाक्ष नहीं, बल्कि लोकतंत्र के असल मतलब की पुनर्परिभाषा है। पानी किसी का अहसान नहीं, यह हक़ है और जब हक़ नहीं मिलता, तो नागरिकता की गरिमा भी खो जाती है। बोरीचिवारी की महिलाएं नायक नहीं बनना चाहतीं, वे बस इंसान बनकर जीना चाहती हैं। वे पुरस्कार नहीं चाहतीं, उन्हें बस पानी चाहिए। इतना पानी, जितना किसी भी 'विश्वगुरु' देश के नागरिक को बिना जान गंवाए मिल सके, परंतु जब पानी भी एक 'विकास कथा' में बदल जाए, तो समझिए कि लोकतंत्र की आत्मा सूखने लगी है। शायद अब हमें कुएं में सिर्फ पानी नहीं, अपना जमीर भी तलाशना होगा।

संपादकीय

महंगी पड़ेगी सुस्ती

निस्संदेह, राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी सुरक्षा उत्पादों की आपूर्ति में किसी भी लेट-लतीफी को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर ऐसे वक्त में जब देश की दो तरफ की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां बरकरार हैं। इसी आलोक में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। निस्संदेह, सरकार की ओर से घेरलू रक्षा उत्पादकता को बढ़ावा देने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध के समय भी कुछ ऐसे अनुभव देखने में आए थे। राजग सरकार का घरेलू रक्षा उत्पादन की तरफ बढ़ाया गया कदम निस्संदेह सराहनीय है। यह उत्साहजनक है कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन कुल रक्षा जरूरतों का 65 प्रतिशत हो गया है, रक्षा निर्यात 24,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। साथ ही सार्वजनिक-निजी उत्पादन का संतुलन धीरे-धीरे पक्ष में जा रहा है। वहीं आईडीईएक्स जैसी योजनाएं नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि अब निजी क्षेत्र कुल रक्षा उत्पादन में 21 फीसदी का योगदान दे रहा है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। दरअसल, यह स्थिति इस घरेलु उद्योग की संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने की जरूरत बताती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। यह दृष्टव्य है कि देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है। उसमें शोध-अनुसंधान व विकास के लिये निर्धारित राशि आधुनिकीकरण के बजट में 3.94 फीसदी ही है। निश्चित रूप से जब तक इस वित्तीय संसाधनों के संतुलन को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक हम समय की चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। निस्संदेह, देश के रक्षा क्षेत्र के तीन सार्वजनिक उपक्रमों यानी डीपीएसयू को 'मिनी रत्न' घोषित करना स्वागत योग्य कदम है।

भारत के लिए युद्ध हमेशा अंतिम विकल्प है

(लेखक- - डॉ. राघवेन्द्र शर्मा)

भारतीय सनातन सभ्यता में ऐसे कई प्रसंग एक जैसे दर्ज हैं, जिन्हें देखकर और पढ़कर ऐसा प्रतीत होता रहा है मानो इतिहास स्वयं को दोहरा रहा हो। अनेक कालखंडों में, दशकों में, सदियों में और युगों में, हमने कई घटनाएं ऐसी पढ़ी हैं, जिनके अध्ययन उपरांत ऐसा लगता है जैसे आज जो हमारे रूबरू है उसे पहले भी कहीं और पहले भी देखा जा चुका है। उदाहरण के लिए हम भारत और पाकिस्तान के बीच स्थाई रूप से व्याप्त बने हुए तनाव को ले सकते हैं। आजादी के बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है और भारत की ओर से जिस प्रकार से संयम, धैर्य का प्रदर्शन किया जा रहा है, यह हमें द्वापर युगीन कौरवों की अति और भगवान कृष्ण की सहृदयता का स्मरण कराता हैं। जब कौरवों के षडयंत्रों को पूरी तरह विफल करते हुए पांडव अपना अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रयासरत थे। तब उनके नेतृत्वकर्ता के रूप में भगवान कृष्ण ने यह निर्णय लिया कि हमें अंत तक युद्ध के अलावा उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ऐसा ही हुआ, भगवान कृष्ण ने शांति दूत के रूप में हस्तिनापुर गमन किया और वहां उपस्थित दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र सहित समस्त कुरुवंशियों को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का सहज समाधान नहीं हो सकता। इससे राज सत्ता पर अधिपत्य जमाए रखने की आकांक्षा पाले बैठे लोगों की तुष्टि भले ही होती हो, लेकिन अनिष्ट प्रजा का ही होता है। दोनों ही पक्ष की सेनाओं के हजारों लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं। उनसे अधिक लोग सदा के लिए अपंग हो जाते हैं। फल स्वरुप मानव समाज को युगों युगों तक उस अपराध का असहनीय दंड भुगतना होता है, दरअसल जो उन्होंने किया ही नहीं होता। अत: टकराव का रास्ता छोड़ते हुए कुरु वंश को पांडवों का सम्मान बनाए रखना चाहिए। भगवान कृष्ण ने राजसभा में मौजूद प्रजा के गणमान्य प्रतिनिधियों और कुरु वंश के सामर्थ्यवान पदाधिकारियों को भी यह सीख दी कि वे दुर्योधन और धृतराष्ट्र की अपवित्र महत्वाकांक्षाओं को समझें और उन्हें पाप पूर्ण कृत्य करने से रोकें। ताकि युद्ध के रूप में आसन्न अनिष्ट एवं अनर्थ को रोका जा सके। सभी सामर्थ्यवान प्रबुद्ध जन चुपचाप बने रहे। वहीं काल के वशीभूत, अपने अनर्थ से अपरिचित दुर्योधन ने जब उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और भगवान कृष्ण को ग्वाला, गायों को चराने वाला, आदि शब्दों से असम्मानित करते हुए उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दे डाला, तब यह तय हो गया कि अब कुरुवंशियों को काल के गाल में समाने से कोई नहीं रोक सकता। समूचा ब्रह्मांड जानता है कि केवल और केवल दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र की हठ धर्मिता के चलते महाभारत का युद्ध हुआ और उसमें लाखों लोग अकारण ही काल के गाल में समा गए। अंतत- जीत सत्य स्वरूप श्री कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडवों की ही हुई। वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंतत: युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था। श्री मोदी जानते हैं कि पाकिस्तानी राजनेता और वहां की सेना भारत विरोधी एजेंडे को ही लंबे समय तक सत्ता पर काबिज बने रहने का जरिया मान कर बैठे हुए हैं। यही कारण है कि उन्होंने पाकिस्तानी अवाम का भला चाहते हुए उसे भी आगाह किया है कि वह अपना भला बुरा समझे और दुनिया भर में आतंकवाद को निर्यात करने वाले वहां के नेताओं, हुक्मरानों तथा सेना की नापाक हरकतों को पहचानें, समय रहते उन्हें वास्तविकता का एहसास कराते हुए उन्हें भारत में आतंकवाद निर्यात करने के गलत रास्ते पर जाने से रोकें। यदि पाकिस्तानी अवाम के ईमानदार प्रयास हुए तो संभव है वह आने वाले समय में भारतीय सदाव्यता के चलते भुखमरी, कंगाली और निकट भविष्य में सन्निद्ध गृह युद्ध जैसी विभीषिका से स्वयं को बचा सकेगा। अब निर्णय पाकिस्तान को करना है कि उसे अपनी अवाम का पेट भरने के लिए रोटी की उपलब्धता उचित लगती है या फिर भारतीय सेना की गोलियों से मरना ज्यादा अच्छा लगता है। यहां कुछ-कुछ प्रसंग सीख के रूप में हम रामायण युगीन घटनाओं से भी ग्रहण कर सकते हैं। उस कालखंड में भी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने उस स्थिति में भी लंका वासियों का भला करने का और उन्हें अनिष्ट से बचाए रखने का हर संभव प्रयास किया था, जबकि वहां का राजा रावण उनकी धर्मपत्नी सीता जी का अपहरण करने का पाप कर चुका था। भगवान कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडव और प्रभु श्री राम की कृपा में तैनात वानर दल किसी भी दृष्टि से पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न शत्रु पक्ष का अनिष्ट करने में कमजोर नहीं थे। संकल्प मात्र से ही दुष्टों को नाश करने का सामर्थ्य उन्हें सहज ही प्राप्त था। लेकिन प्रभु श्री राम ने भी पहले हनुमान जी को लंका भेजा, जिन्होंने लंका जलाने से पहले रावण को बार-बार समझाया कि वह युद्ध को हर हाल में टालने का हर संभव प्रयास करे। इसी में राक्षस जाति की भलाई है। जब समुद्र पर सेतु बन गया। युद्ध को आतुर वानर सेना लंका के समक्ष हुंकार भरने लगी। तब प्रभु श्री राम ने एक बार फिर लंका को विनाश से बचाने का रास्ता खोजा और अंगद को शांतिदूत के रूप में प्रेषित किया। जैसा कि हमारे धर्म ग्रंथ बताते हैं, रावण के सिर पर भी काल मंडरा रहा था। सो उसे सामने खड़ा सत्य भी समझ नहीं आ रहा था, या फिर यू कहा जाए कि वह समझना ही नहीं चाहता था। बात त्रेता युग की हो या फिर द्वापर की, पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न पक्ष ने सत्य के मार्ग पर अडिग, धर्म परायण, सामर्थ्यवान, सज्जनों की सहृदयता को कमजोरी ही समझा और स्वत- ही मृत्यु के भोज्य बन बैठे। हाल ही में जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गुजरात के प्रवास पर गए तब उन्होंने भुज की पवित्र भूमि से भारत और पड़ोसी देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के ऐसे प्रयास हैं, जिनके माध्यम से हमने आतंकवादियों का तो नाश किया, उनके प्रशिक्षण कैंपों को भी ध्वस्त किया।

(चिंतन-मनन)

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

विचार मंथन

चीन के नेतृत्व में इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर मेडिएशन

(लेखक- सनत जैन)

– चीन की यूनाइटेड नेशन को चुनौती

चीन वैश्विक राजनीति में बड़ी ताकत के साथ तेजी कदम बढ़ा रहा है। चीन अब सिर्फ एक आर्थिक शक्ति नहीं, वरन वैकल्पिक वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनता जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण है, चीन के नेतृत्व इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर मेडिएशन की स्थापना की गई है। चीन के नेतृत्व में हांगकांग में शुरू यह नया बहुपक्षीय मंच है। इस संगठन का उद्देश्य वैश्विक अथवा दो देशों के बीच के विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाना इसका मुख्य उद्देश्य है, इसके राजनीतिक आर्थिक निहितार्थ को लेकर गंभीर और दूरगामी परिणाम होना तय है। संयुक्त राष्ट्र जैसे स्थापित वैश्विक संस्थानों की निष्क्रियता, पक्षपात और राजनीतिक दवाब को देखते हुए चीन ने एक समानांतर वैश्विक संस्था खड़ा करने की कोशिश की है। यह संस्था ऐसे समय में सामने आई है। जब रुस एवं यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध, इजरायल-गाज़ा का संकट, ताइवान तनाव और दक्षिण चीन सागर विवाद जैसे मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका सवालों के घेरे में है।

सारी दुनिया आर्थिक मंदी के मुहाने पर खड़ी है। विश्व के अधिकांश देश कर्ज एवं महंगाई से जूझ रहे है। सारी दुनिया तकनीकि के विकास को लेकर जिस तेजी से बदल रही है। ऐसे समय पर चीन का वैश्विक स्तर पर ताकतवर होना भारत के लिये बड़ी चुनौती है। अमेरिका और रूस इस समय सबसे कमजोर है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान क्रियाकलाप से दुनिया के देशों में उसकी विश्वसनीयता और कार्य प्रणाली को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। ऐसे समय में चीन ने हांगकांग को मध्यस्थता का केंद्र बिन्दु बनाकर वैश्विक नेतृत्व की दुनिया के देशों के बीच नई दावेदारी पेश कर दी है। इस संगठन में 85 देशों की भागीदारी है। 33 देशों की फाउंडर सदस्यता है। वर्तमान संदर्भ में चीन की कूटनीतिक राजनीतिक एवं आर्थिक सफलता को दर्शाती है। इस संगठन की खास बात यह है, इनमें से कई देश वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ के) देश हैं। दुनिया भर के विकासशील या पिछड़े राष्ट्र पश्चिमी प्रभाव से मुक्त होकर नये साझेदारौं की तलाश मे हैं। नया संगठन इस तलाश की पुष्टि कर रहा है। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे लोकतांत्रिक देशों को इसमें शामिल नहीं है। विकसित राष्ट्र खुद शामिल नहीं हुए हैं? विकशित एवं विकासशील राष्ट्रों की अनुपस्थिति से स्पष्ट है, अब दुनिया दो धड़ों में बंटने जा रही है। दुनिया में चीन का प्रभाव बड़ी तेजी के साथ बढा है, यह भी इससे प्रमाणित होता है। चीन अब बड़ी आर्थिक एवं सामरिक शक्ति के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर रहा है। हांगकांग में इस संस्था का मुख्यालय बनना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। यह वही हांगकांग है, जो कभी लोकतंत्र की प्रयोगशाला था। अब चीन की राजनीतिक पकड़ और प्रभाव में है। हॉन्गकांग में न्यू वर्ल्ड ऑर्डर की नींव रखना चीन का साफ संदेश है। नई व्यवस्था लोकतंत्र के साथ-साथ वित्तीय एवं सामरिक नियंत्रण की रणनीति पर आधारित होगी। भारत के लिए यह एक बडी चेतावनी है। भारत इस तरह के संगठनो से दूरी बनाएगा, तो भारत वैश्विक विचार विमर्श, करोबार से बाहर होता चला जाएगा। चीन ने अंतरराष्ट्रीय संस्था तैयार कर इसमें 85 देशों का समर्थन हासिल करके सारी दुनिया के देशों और महा शक्तियों को चुनौती दी है। संयुक्त राष्ट्र को भी चीन ने एक तरह से चुनौती दी है। संयुक्त राष्ट्र संघ यदि कमजोर होता है ऐसी स्थिति में भारत के लिए आने वाले समय में मुश्किलें और भी बढ़ना तय है। अब भारत को तय करना है, क्या वह पुरानी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहकर वैश्विक संस्थाओं और स्वयं की रक्षा करेगा, या नई वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए अपने आप को बदलेगा। भागीदारी, वैश्विक स्तर पर और पड़ोसी देशों के साथ भारत किस तरह से आगे बढ़ेगा यह भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चीन भारत का पड़ोसी है। भारत की बहुत बड़ी सीमा चीन के साथ लगी हुई है। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार की सीमाएं भारत से जुड़ी हुई है। उपरोक्त सभी देश चीन के प्रभाव में है उपरोक्त देशों के साथ चीन के आर्थिक और सामरिक संबंध पिछले एक दशक में बड़े मजबूत हुए हैं। ऐसी स्थिति में भारत पर सबसे ज्यादा दबाव में होगा। चीन की आर्थिक और सामरिक शक्ति भारत के मुकाबले कई गुना ज्यादा है। इसलिए भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। वैश्विक स्तर पर जो बदलाव हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हितों की रक्षा करने के लिए ज्यादा सजग रहना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का आतिथ्य सेवा उद्योग चमका, पहली तिमाही में जोरदार कमाई की

बेंगलूरु में राजस्व में सबसे ज्यादा 38.3 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली।

देश का आतिथ्य सेवा उद्योग की चमक बढ़ रही है क्योंकि साल की पहली तिमाही में होटलों को कमरों से ज्यादा आय हो सिल हुई है। बेंगलूरु में कमरों का किराए में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है और इस दौरान देश भर में होटलों में लगभग 9,500 कमरे भी जुड़े हैं। एक संपत्ति सलाहकार फर्म के अनुसार होटल उद्योग को जनवरी-मार्च 2024 की तुलना में इस बार जनवरी-मार्च तिमाही में प्रत्येक उपलब्ध कमरे से 16.3 फीसदी अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। इसमें 2024 की चौथी तिमाही की तुलना में भी 8 फीसदी इजाफा हुआ। बेंगलूरु में इस राजस्व में सबसे ज्यादा 38.3 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई, जो एरो इंडिया 2025 के आयोजन का नतीजा थी। दिल्ली में किराया 26.2 फीसदी तथा मुंबई में 21.3 फीसदी बढ़ा, जबकि चेन्नई में 18.7 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हैदराबाद में कमरों की बुकिंग थोड़ी घटी मगर औसत दैनिक किराया बढ़ने के कारण प्रति कमरा राजस्व 15.1 फीसदी बढ़ गया। आंकड़े बताते हैं कि पहली तिमाही में महाराष्ट्र में 836 कमरों के साथ सबसे अधिक ब्रांडेड होटल खोले गए, जबकि कर्नाटक में 1,352 कमरों के साथ सबसे अधिक ब्रांडेड होटल खोलने के करार हुए। तिमाही के दौरान 9,478 कमरे वाले 79 होटलों के लिए करार हुए। ये 3,253 कमरे वाले उन 31 ब्रांडेड होटलों के अलावा थे, जो खुल चुके हैं। अपस्केल और मिडस्केल सेगमेंट में सबसे अधिक होटल खुले और खोलने के करार हुए।

चीन फिर पाकिस्तान को देगा 3.7 अरब डॉलर का कर्ज

पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को मिलेगा सहारा

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जर्जर आर्थिक स्थिति को देखते हुए चीन ने फिर से राहत का हाथ बढ़ा दिया है। चीन ने पाकिस्तान को 316 अरब रुपए (करीब 3.7 अरब डॉलर) का एक नया कर्ज देने का भरोसा दिया है। इस सहायता से पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलने की उम्मीद है। चीन ने इस बार यह कर्ज चीनी युआन में देने का ऐलान किया है, जिसे चीन की निर्भरता कम करने का हिस्सा माना जा रहा है। पाकिस्तान ने मार्च-अप्रैल 2024 के दौरान चीन से लिए गए 1.3 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया था, जो लगभग 7.5 फीसदी ब्याज दर पर मिला था। वहीं 15 अरब युआन के बराबर चीन के तीन प्रमुख बैंकों से लिए गए 2.1 अरब डॉलर के सिंडिकेटेड लोन का भुगतान जून में परिपक्व होने वाला है। चीन ने भविष्य में भी परिपक्व होने वाले कर्जों को रिफाइनेंस करने का भी आश्वासन दिया है। यह चीन की मदद ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति के लिए एक बड़ी समाचार है, क्योंकि आइएमएफ से मिले 1 अरब डॉलर के बावजूद भी उसका विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर नहीं था।

RIR POWER ELECTRONICS LIMITED
(Formerly RUTTONSHA INTERNATIONAL RECTIFIER LIMITED)

आरआईआर पावर का मुनाफा और राजस्व बढ़ा

मुंबई।

देश की प्रमुख पावर सेमीकंडक्टर निर्माता आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 26.46 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 21.57 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस अवधि में कंपनी का मुनाफा 2.58 करोड़ रुपये रहा जबकि ईबीआईटीडीए 3.33 करोड़ रुपये रहा। ईबीआईटीडीए और पीएटी मार्जिन क्रमशः 12.58 प्रतिशत और 9.75 प्रतिशत रहे और आय प्रति शेयर (ईपीएस) 3.51 रुपये दर्ज किया गया।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुतो बिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त सप्ताह में 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया। इसके पहले 16 मई को समाप्त हुए सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घटकर 685.73 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।

ट्रंप ने स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना किया

4 जून से लागू होगा नियम

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया के एक स्टील प्लांट में वर्कर्स को संबोधित करते हुए स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना करने की घोषणा की। इन दोनों मेटल्स पर टैरिफ 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया जाएगा, बड़ी हुई दरें अगले हफ्ते से प्रभावी होंगी। स्टील प्लांट में ब्लू कॉलर वर्कर्स के सामने उन्होंने स्टील पर टैरिफ डबल करने का ऐलान किया लेकिन थोड़ी ही देर बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उन्होंने एल्यूमिनियम पर 4 जून से टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन स्टील के बीच चल रही डील पर भी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि साझेदारी के बावजूद यूएस स्टील पर अमेरिका का नियंत्रण बना रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि इस सौदे से अमेरिका में करीब 70,000 रोजगार के अवसर मिलेंगे और 1400 करोड़ डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। चुनावी दौर में इस डील का विरोध करने वाले ट्रंप अब इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि निप्पॉन स्टील अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 7 अरब डॉलर की लागत से स्टील मिलों को आधुनिक बनाया जाएगा। हालांकि, यह डील अभी अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया में है।

पाकिस्तान को आईएमएफ से मिले कर्ज पर भारत ने जताई चिंता

भारत के लिए बहुपक्षीय संस्थान हमेशा तटस्थ नहीं रहे

नई दिल्ली।

पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.4 अरब डॉलर का ऋण` दिया गया` जिसको लेकर भारत में चिंता एवं निराशा जताई जा रही है। यह रो शि पाकिस्तान को ऐसे समय में मिली जब भारत के साथ उसकी सैन्य झड़प हो रही थी। बाद में आईएमएफ ने एक पूरक टिप्पणी में यह माना कि इस रकम का बेजा इस्तेमाल होने या ऐसा प्रतीत होने पर उसकी छवि को झटका लग सकता है। हालांकि, आईएमएफ की तरफ से यह भी कहा गया कि 'हाल के घटनाक्रम स्थिति की समीक्षा को प्रभावित नहीं करते हैं। आईएमएफ के कदम से कई सवाल खड़े हुए हैं। पहला सवाल तो यह है कि तटस्थ रहने के लिए प्रतिबद्ध कोई बहुपक्षीय संस्था अपने दो सदस्य देशों के बीच युद्ध के दौरान ऐसा कदम क्यों उठाएगा? इससे भी महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भारत भविष्य में ऐसे कदमों की पुनरावृत्ति कैसे रोक सकता है? एक असहज करने वाली वास्तविकता यह है कि बहुपक्षीय संस्थान हमेशा तटस्थ नहीं रहे हैं। शीत युद्ध के दौरान ये बहुपक्षीय संस्थान प्रायः दबदबा रखने वाले खासकर पश्चिमी देशों के हितों को अधिक तवज्जो दे रहे थे। बहुपक्षीय प्रणाली में सबसे बड़े दाता देश अमेरिका ने अक्सर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर वित्तीय सहायता की दिशा अपने मित्र एवं सहयोगी देशों की तरफ मोड़ दी जबकि प्रतिद्वंद्वी देशों को इससे महरूम रखा। शीत युद्ध के बाद भी यह रुझान बरकरार रहा। वर्ष 1994 में आईएमएफ ने मेक्सिको को 18 अरब डॉलर ऋण दिए जिनका इस्तेमाल अमेरिकी निवेशकों की रक्षा के लिए किया गया। वर्ष 2013 में आईएमएफ ने ग्रीस को आर्थिक संकट से उबारने में सक्रिय भूमिका निभाई। आईएमएफ को यूरोपीय ताकतों का भी पूरा समर्थन था। ये देश अपने पड़ोस में आर्थिक हालात बिगड़ता नहीं देखना चाहते थे।

शेयर बाजार में दो दिन तेजी, तीन दिन गिरावट रही

सेंसेक्स 182 अंक की गिरावट के साथ 81,451 पर बंद

निफ्टी 82 अंक गिरकर 24,750.70 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को` मिला। शेयर बाजार में सप्ताह में दो` दिन बढ़त और तीन `दिन` गिरावट पर कारोबार हुआ। सप्ताह के ओ खिरी कारोबारी` दिन शुक्रवार को शेयर बाजार` गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों ने कहा` कि अमेरिकी अपील अदालत की ओर से पारस्परिक शुल्कों को अस्थायी रूप से बहाल करने के बाद व्यापार अनिश्चितता फिर बढ़ गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार का पांच` दिन का कारोबार इस प्रकार रहा- भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को मजबूती के साथ खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,928.95 पर खुला और 455 अंक चढ़कर 82,176 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला और 148 अंक की तेजी रही, ये 25,001 के स्तर पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला और 624.82 अंक की गिरावट के साथ 81,551.63 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला और 174.95 अंक की गिरावट के साथ 24,826.20 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,457 पर खुला और 239 अंक की गिरावट के साथ 81,312 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी-50 24,832 अंक पर लगभग फ्लैट खुला और 73 अंक की गिरावट रही, ये 24,752 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को

बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,591.03 पर खुला और 320.70 अंक चढ़कर 81,633.02 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,825.10 पर खुला और 81.15 अंक बढ़कर 24,833.60 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 219 अंक गिरकर 81,414.02 पर खुला और 182.01 अंक की गिरावट के साथ 81,451.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 53.6 अंक गिरकर 24,780 पर खुला और 82.90 अंक गिरकर 24,750.70 पर बंद हुआ।

पाकिस्तान को आईएमएफ से मिले कर्ज पर भारत ने जताई चिंता

भारत के लिए बहुपक्षीय संस्थान हमेशा तटस्थ नहीं रहे

नई दिल्ली।

पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.4 अरब डॉलर का ऋण` दिया गया` जिसको लेकर भारत में चिंता एवं निराशा जताई जा रही है। यह रो शि पाकिस्तान को ऐसे समय में मिली जब भारत के साथ उसकी सैन्य झड़प हो रही थी। बाद में आईएमएफ ने एक पूरक टिप्पणी में यह माना कि इस रकम का बेजा इस्तेमाल होने या ऐसा प्रतीत होने पर उसकी छवि को झटका लग सकता है। हालांकि, आईएमएफ की तरफ से यह भी कहा गया कि 'हाल के घटनाक्रम स्थिति की समीक्षा को प्रभावित नहीं करते हैं।

आईएमएफ के कदम से कई सवाल खड़े हुए हैं। पहला सवाल तो यह है कि तटस्थ रहने के लिए प्रतिबद्ध कोई बहुपक्षीय संस्था अपने दो सदस्य देशों के बीच युद्ध के दौरान ऐसा कदम क्यों उठाएगा?

इससे भी महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भारत भविष्य में ऐसे कदमों की पुनरावृत्ति कैसे रोक सकता है? एक असहज करने वाली वास्तविकता यह है कि बहुपक्षीय संस्थान हमेशा तटस्थ नहीं रहे हैं। शीत युद्ध के दौरान ये बहुपक्षीय संस्थान प्रायः दबदबा रखने वाले खासकर पश्चिमी देशों के हितों को अधिक तवज्जो दे रहे थे। बहुपक्षीय प्रणाली में सबसे बड़े दाता देश अमेरिका ने अक्सर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर वित्तीय सहायता की दिशा अपने मित्र एवं सहयोगी देशों की तरफ मोड़ दी जबकि प्रतिद्वंद्वी देशों को इससे महरूम रखा। शीत युद्ध के बाद भी यह रुझान बरकरार रहा। वर्ष 1994 में आईएमएफ ने मेक्सिको को 18 अरब डॉलर ऋण दिए जिनका इस्तेमाल अमेरिकी निवेशकों की रक्षा के लिए किया गया।

वर्ष 2013 में आईएमएफ ने ग्रीस को आर्थिक संकट से उबारने में सक्रिय भूमिका निभाई। आईएमएफ को यूरोपीय ताकतों का भी पूरा समर्थन था। ये देश अपने पड़ोस में आर्थिक हालात बिगड़ता नहीं देखना चाहते थे।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड सुरक्षित और लाभकारी विकल्प

हर साल जमा करें 1 लाख रुपये, 15 साल बाद मिलेंगे 27 लाख

नई दिल्ली।

शेयर बाजार के लगातार उतार-चढ़ाव के बीच लोग अब पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को एक मजबूत और लाभकारी निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं। पीपीएफ एक ऐसा निवेश है जो सरकार की गारंटी के साथ आपको स्थिर और सुनिश्चित रिटर्न देता है। जबकि स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड में जोखिम होता है, पीपीएफ आपके पैसे की सुरक्षा और बढ़ती हुई राशि का विश्वास दिलाता है। पीपीएफ खाता खोलने के लिए आप किसी भी बैंक या डाकघर में जा सकते हैं। आपको प्रति वर्ष 15 साल के अवधि में निवेश करना होता है और धीरे-धीरे आपका निवेश बढ़ता जाता है। सालाना 7.1 फीसदी के कंपाउंडिंग ब्याज दर के साथ आप अच्छे रिटर्न उम्मीद कर सकते हैं, जो आपके निवेश को दोगुना बना सकता है। इस योजना में निवेश करने के लिए आप अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर भी पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यह एक अच्छा विकल्प है जो स्टॉक मार्केट के जोखिम से बचाव करने के लिए अपनाया जा सकता है और लंबी अवधि में भी आपको टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

आईपीओ लॉन्च से पहले ओयो की पैरेंट कंपनी बदलेगी नाम, मांगे सुझाव मिलेगा इनाम

नई दिल्ली।

ओयो का आईपीओ कुछ महीनों में बाजार में आ जाएगा। इससे पहले पैरेंट कंपनी के नाम में बदलाव की तैयारी हो रही है। ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज के लिए नाम के सुझाव मांगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का हो सकता है जिसे ओयो निकट भविष्य में पेश करने की योजना बना रही है। ओयो के संस्थापक ने कहा कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल चेन नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं बल्कि शहरी इनोवेशन और आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी है। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के पास एक नए तरह का वैश्विक ब्रांड हो जिसका गढ़ भारत में हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो। उन्होंने विजेता को तीन लाख रुपए का पुरस्कार और उनसे मिलने का मौका देने की घोषणा भी की। इस बीच, ओयो ने जून में पांच निवेश बैंकों की उसके प्रमुख शेयरधारक सॉफ्टबैंक से मिलने की व्यवस्था की है। इन बैंक में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एक्सिस कैपिटल के साथ-साथ भारतीय वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक बैंकिंग गठजोड़ से सिटी, गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज शामिल हैं। जापानी समूह सॉफ्टबैंक, ओयो के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक है। इसलिए यह बैठक खास है। यह बैठक सॉफ्टबैंक के लंदन स्थित ग्रोसवेनर स्ट्रीट कार्यालय में होने वाली है। पांच बैंक, सॉफ्टबैंक के सुमेर जुनेजा के समक्ष अपने आईपीओ से जुड़ी रणनीति प्रस्तुत करेंगे। ओयो के

संस्थापक और उसकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी इसमें शामिल होगी। बता दें ओयो ने 2021 में सेबी के सामने अपने दस्तावेज दाखिल किए थे और फिर दोबारा दाखिल किए थे। इसमें सार्वजनिक पेशकश के जरिये 8,430 करोड़ जुटाने की बात कही थी। कंपनी ने हालांकि मई, 2024 में यह दस्तावेज वापस ले लिए थे।

वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर सीसीपीए की कार्रवाई

बिना लाइसेंस के वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिक्री होगी प्रतिबंधित

नई दिल्ली।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर लगाई रोक। उसने ई-कॉमर्स कंपनियों को वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरण बेचने पर नियामकीय अनुपालन के बगैर नोटिस जारी किए। दिशानिर्देशों में व्यवधान उत्पन्न करने वाले उपकरणों की बिक्री पर जुर्माने तथा कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर रखी जाएगी और अवैध उपकरणों की बिक्री को रोकने के लिए कठोर कार्रवाई की जाएगी। सीसीपीए ने कई प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों को इस मामले में नोटिस जारी किये हैं जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन कर रहे थे। इस कार्रवाई से उपभोक्ताओं की सुरक्षा विशेष ध्यान में रखा गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि ये दिशानिर्देश उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले, अपनी कानूनी स्थिति के बारे में उपभोक्ताओं को बहकाने वाले, कानून प्रवर्तन तथा आपात सेवाओं समेत जरूरी सेवाओं के लिए इस्तेमाल हो रहे नेटवर्क में व्यवधान उत्पन्न करने वाले वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर रोक लगाने के लिए जारी किए गए हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सीसीपीए ने उचित फ्रीक्वेंसी, लाइसेंसिंग का ब्योरा बताए बगैर वॉकी-टॉकी बेचने के लिए इसी साल 9 मई को ई-कॉमर्स कंपनियों को उनके प्लेटफॉर्म पर मौजूद 16,970 उत्पादों के मामले में 13 नोटिस जारी किए थे।

इंडिगो को टर्की के समर्थन के दौरान लीज समझौते में समाप्ति का निर्देश

इंडिगो ने टर्की की सेलेबी एविएशन के साथ दो बोइंग 777 विमान पट्टे पर ले रखे थे

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने इंडिगो एयरलाइन को टर्की के समर्थन के दौरान लीज समझौते को तीन महीने के भीतर खत्म करने का निर्देश दिया। इंडिगो ने टर्की की सेलेबी एविएशन के साथ दो बोइंग 777 विमान पट्टे पर ले रखे थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इसे 31 अगस्त तक का विस्तार किया है ताकि यात्रियों को असुविधा से बचाया जा सके। मंत्रालय ने दिखाया कि यह अनुमति अंतिम है और इंडिगो को इन विमानों का परिचालन नियामक ढांचे की पूरी तरह से अनुपालन करने की आवश्यकता है। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की के पाकिस्तान के साथ खड़े होने के बाद केंद्र ने 15 मई को तुर्की की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा था, तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। मौजूदा हालात को देखते हुए यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए देश में सेलेबी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद तुर्की ने पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। भारत द्वारा पड़ोसी देश में प्रमुख आतंकी ठिकानों पर हमला करने के बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी हमले में तुर्की के ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने पिछले सप्ताह कहा था कि एयरलाइन टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए विमानों के साथ अपने परिचालन को नियंत्रित करने वाले सभी नियामक ढांचे का पूरी तरह से अनुपालन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन पट्टों के नवीनीकरण का निर्णय केंद्र सरकार करेगी।

पॉपुलर हैचबैक टाटा अल्ट्रॉज के फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने अपनी पॉपुलर हैचबैक टाटा अल्ट्रॉज के फेसलिफ्ट वर्जन को लॉन्च कर दिया है। इस फेसलिफ्ट वर्जन में एक्सटीरियर को रिफ्रेश किया गया है। फ्रंट एंड में डे-टाइम रनिंग लाइट्स, फुल-एलईडी स्प्लिट हेडलाइट्स, नया ग्रिल और नया बम्पर डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा, फ्लश-फिटिंग इल्युमिनेटेड डोर हैंडल और नए 16-इंच के 5-स्पोक अलॉय व्हील्स कार को और प्रीमियम बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो कार में क्लीन डैशबोर्ड के साथ 10.25-इंच का ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। साथ ही इलेक्ट्रिक सनरूफ, क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक एसी कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अल्ट्रॉज फेसलिफ्ट में वही 1.2-लीटर पेट्रोल, 1.5-लीटर डीजल और सीएनजी इंजन विकल्प दिए गए हैं। अल्ट्रॉज अब भी देश की इकलौती हैचबैक है जिसे ग्लोबल एनसीएपी से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। कंपनी ने फेसलिफ्ट मॉडल में 6 एयरबैग्स को स्टैंडर्ड बना कर इसे और सुरक्षित बना दिया है। अल्ट्रॉज फेसलिफ्ट का मुकाबला अब ह्युंदै आई20, मारुति बलेनो और टोयोटा ग्लांझा जैसी प्रीमियम हैचबैक से होगा। नई अल्ट्रॉज को आकर्षक लुक और एडवांस फीचर्स के साथ 6.89 लाख रुपये की

शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर उतारा गया है, जबकि इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 11.49 लाख रुपये तक जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात की हार पर टूटा नेहरा के बच्चों का दिल, रोते हुए गिल की बहन ने हौसला दिया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के दौरान शानदार खेल दिखाते हुए आखिर तक टॉप पर रहने वाली गुजरात टाइटंस का सफर खत्म हो गया है। एलिमिनेटर में टीम मुंबई इंडियंस से हार गई। दिल तोड़ने वाली हार के बाद टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टीम के कोच आशीष नेहरा के बच्चे मैच के बाद फूट फूट कर रोते दिखाई दिए। वहीं कप्तान शुभमन गिल की बहन भी निराश दिखी और कोच के बच्चों के संभाला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात को एलिमिनेटर में 20 रन से हारकर आईपीएल 2025 से विदा होना पड़ा। पहले बल्लेबाजी कर रोहित शर्मा की धुंआधार 81 रन की पारी की बदौलत टीम ने 5 विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में कड़ी टक्कर देने के बाद भी टीम 6 विकेट पर 208 रन बना सकी। हार के बाद खिलाड़ियों के परिवार वाले काफी दुखी दिखाई दिए। इसमें मुख्य कोच आशीष नेहरा के बेटे और कप्तान शुभमन गिल की बहन शाहनील भी शामिल थीं। मैच के बाद सभी टीम की हार से दुखी होकर रोते हुए नजर आए। जब मैच खत्म हुआ तब कोच नेहरा के बच्चे बुरी तरह से मायूस नजर आए। बेटा रोता हुआ आगे स्टेट तक गया, जबकि बेटी अपनी जगह पर बैठी रही। इस बीच गिल की बहन का रिएक्शन वायरल हो रहा है। उन्होंने नेहरा की बेटी के पास जाकर संभाला।

आईपीएल 2025 : आज निर्धारित होगा कौन भिड़ेगा आरसीबी के साथ फायनल में

पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच निर्णायक मुकाबला

नई दिल्ली।

आईपीएल 2025 के दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच आज रविवार, 1 जून को जोरदार मुकाबला होने वाला है। पंजाब किंग्स, जो पहली बार आईपीएल का खिताब जीतने की कोशिश कर रही है, को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली करारी हार से झटका लगा था, जिससे टीम का आत्मविश्वास जरूर प्रभावित हुआ होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब के लिए यह मुकाबला किसी सेमीफाइनल से कम नहीं होगा, क्योंकि टीम को मुंबई इंडियंस जैसी अनुभवी टीम से टक्कर देनी है। गेंदबाजी विभाग में प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने से टीम को अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ रहा है, खासकर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। मार्को यानसन और युजवेंद्र चहल की अनुपस्थिति पंजाब की गेंदबाजी को कमजोर कर चुकी है, और अब बल्लेबाजों को बढ़िया प्रदर्शन कर इस कमी की भरपाई करनी होगी। पिछले मैच में पंजाब का बल्लेबाजी विभाग खासा प्रभावित नजर आया था, इसलिए टीम प्रबंधन इस बार पूरी सतर्कता से रणनीति बनाएगा। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर मैच में मजबूत दावेदार गुजरात टाइटंस को हराकर अपने छठे खिताब की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है। इस जीत से मुंबई के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। मुंबई की टीम में नॉकआउट मुकाबलों का अच्छा अनुभव है, जो ऐसे दबाव वाले मैचों में काम आता है। कोच माहेला जयवर्धने ने टीम को अच्छी तरह से संगठित किया है और उन्होंने पिछले सीजन में मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। मुंबई इंडियंस की टीम में रोहित शर्मा ने हाल ही में शानदार बल्लेबाजी की है और वह अपनी लय में लौट आए हैं, जो पंजाब के गेंदबाजों के लिए चिंता का विषय है। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी भी टीम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जहां बड़े स्कोर बनना आम है। इस वजह से मैच का परिणाम काफी हद तक

गेंदबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि विजेता सीधे फाइनल में पहुंचेगा। पंजाब किंग्स को अपनी पिछली हार से सबक लेकर संयम और ऊर्जा के साथ खेलना होगा, जबकि मुंबई इंडियंस अपनी मजबूत टीम और अनुभव का फायदा उठाना चाहेगी। यह मुकाबला दर्शकों के लिए रोमांचक साबित होगा और आईपीएल के इस सीजन के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगा।

अर्शदीप इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेंगे : पोंटिंग

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे। , जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

शुभमन की इंग्लैंड दौरे में होगी कप्तानी और बल्लेबाजी की परीक्षा

लंदन।

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को इंग्लैंड दौरें के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है ऐसे में ये दौरा उनके लिए बेहद अहम होगा। शुभमन ने अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में तो भारतीय टीम की कप्तानी की है पर टेस्ट में उनके लिए कप्तानी एकदम नया अनुभव होगा। इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर ही नहीं बल्कि बल्लेबाज के तौर पर भी शुभमन की परीक्षा होगी। शुभमन का अब तक का इंग्लैंड का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। इस सीरीज के दौरान केवल कप्तान शुभमन के अलावा अन्य युवा बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल आदि की भी परीक्षा होगी। शुभमन ने अब तक 32 टेस्ट खेलकर 1893 रन बनाए हैं। यहां उन्होंने पांच शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। उनका औसत 35.05 का है और वे टेस्ट में 59.92 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन के टेस्ट में आंकड़े कमजोर हैं।10 टेस्ट मैच खेलकर शुभमन गिल ने केवल 592 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की धरती पर एक भी अर्धशतक उनके नाम नहीं है। इंग्लैंड में तीन टेस्ट मैचों की छह पारियों में शुभमन के नाम केवल 88 रन हैं। ना तो कोई शतक और ना ही अर्धशतक। उनका औसत गिरकर 14.66 का हो जाता है और स्ट्राइक रेट 55.69 का नजर आता है। जो टीम के चिंता की बात । ऐसे में इस बार शुभमन को हालात के अनुसार बल्लेबाजी करनी होगी। शुभमन के सामने से भी सवाल होगा कि वह टेस्ट की कप्तानी किस तरह से करते हैं। आईपीएल में भले ही वे अच्छे से ये जिम्मेदारी संभाल रहे हों, पर इसमें कोच आशीष नेहरा का भी उन्हें समर्थन मिलता रहा है। ऐसे में अब देखना है कि शुभमन यहां कितने सफल हाते हैं।

जमशेदपुर के फैन पार्क में मनेगा आईपीएल का जश्न, बड़े पर्दे पर लोग लेंगे मजा

पार्क में फ्री रहेगी एंट्री, बच्चों के लिए नॉमिनल प्राइज पर गेमिंग व फूड जोन

जमशेदपुर।

आईपीएल 2025 अब समापन की ओर है। वहीं क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह फाइनल मैच को लेकर चरम पर है। इस बीच जमशेदपुर के खेल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि इस बार फिर से एग्रीको ट्रांसपोर्ट मैदान पर एक विशाल आईपीएल फैन पार्क आयोजित किया जा रहा है। यहां लोग बड़े पर्दे पर एलिमिनेटर और फाइनल मैच का देख सकेंगे। जमशेदपुर के फैन पार्क की खासियत यह है कि यहां 32गुणा18 फीट की भव्य एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है, जिस पर आईपीएल का लाइव प्रसारण देखा जा सकेगा।

आयोजन टीम के सदस्य ने बताया कि एलिमिनेटर वन 1 जून और फाइनल 3 जून के मैच यहां दिखाए जाएंगे। पिछले साल भी इस आयोजन को लोगों का भरपूर समर्थन मिला था। करीब 20000 दर्शक इसमें शामिल हुए थे। इस बार आयोजकों का अनुमान है कि 30000 से 35000 लोग दोनों दिन पहुंच सकते हैं, जिसके लिए खास तैयारियां की गई हैं। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह है कि इसमें एंट्री पूरी तरह से फ्री है। जहां शाम 5ः30 बजे से फैन पार्क के गेट दर्शकों के लिए खोल दिए जाएंगे। यहां लोग दोस्तों, परिवार और प्रियजनों के साथ बैठकर दोनों मैंचों का भरपूर आनंद ले सकते हैं।

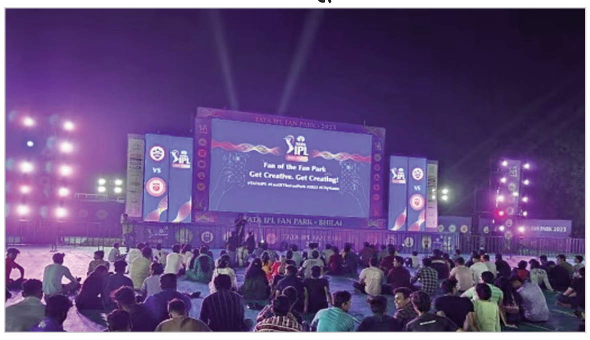

बता दें फैन पार्क को एक फैमिली एंटरटेनमेंट जोन के रूप में बनाया गया है। बच्चों के लिए गेमिंग जोन, फूड स्टॉल्स और आईपीएल थीम पेंटिंग्स जैसे आकर्षण होंगे, जिन्हें नॉमिनल प्राइसेज में उपलब्ध कराया जाएगा। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अलग से बैठने की सुविधा, साफ-सुथरे शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था की है। वहीं, आयोजकों का कहना है कि यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि जश्न होगा। यह एक मौका होगा। जब जमशेदपुर के लोग आईपीएल का उत्सव मनाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

एलिमिनेटर मैच में गुजरात के छक्के छुड़ाने के साथ रोहित ने पांच नए रिकॉर्ड अपने नाम किए

नई दिल्ली।

मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन कर 50 गेंदों में 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 81 रन ठोक दिए। इस तूफानी पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 228/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया, इसके जवाब में गुजरात टाइटंस सिर्फ 208 रनों तक ही सीमित रह सके। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने क्वालीफायर-2 में अपनी जगह बना ली। रोहित को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेऑफ मैच का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। रोहित ने इस मैच में पांच नए रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। सबसे पहले, उन्होंने आईपीएल प्लेऑफ में 80 या उससे अधिक रन बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने का कारनामा किया। उन्होंने 38 साल और 30 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की, जिससे माइकल हसी का रिकॉर्ड टूट गया था, जिन्होंने 2013 में 37 साल और 359 दिन की उम्र में क्वालीफायर-1 में 86 रन बनाए थे। दूसरे, रोहित अब आईपीएल में कुल 271 मैचों में 302 छक्के जड़ चुके हैं। वे आईपीएल में 300 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं। कुल मिलाकर वे इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जहां वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 142 मैचों में 357 छक्के जड़े हैं। तीसरे, उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। इसके पहले यह रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम था, जिन्होंने 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर-1 में नाबाद 71 रन बनाए थे। चौथा रोहित को आईपीएल प्लेऑफ में प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने है। इस मामले में सबसे ऊपर पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जो 38 साल और 219 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। अंत में, रोहित टी20 क्रिकेट में एक टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 235 मैचों में 267 छक्के लगाए हैं, जबकि क्रिस गेल, जिन्होंने आरसीबी के लिए 91 मैचों में 263 छक्के लगाए थे, तीसरे स्थान पर हैं। इस शानदार पारी और रिकॉर्ड के साथ रोहित ने फिर साबित कर दिया कि वे आईपीएल के सबसे बड़े और भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं।

मुंबई-गुजरात मैच में बुमराह ने किया कमाल, एक गेंद से हारी हुई बाजी पलटी

मुल्लांपुर।

मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को हराकर खिलाब की तरफ कदम बढ़ाया है। मैच में रोहित शर्मा के 81 रनों की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट पर 228 रन का स्कोर बनाया। मैच हाथ से निकलता जा रहा था लेकिन जसप्रीत बुमराह की एक बॉल ने पासा पलट दिया। बी साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी टूटी और गुरजात 6 विकेट पर 208 रन ही बना सकी और मैच हार गई। बुमराह ने गुजरात की उम्मीदों पर पानी फेरा दिया जिससे वह आईपीएल से बाहर हो गई। आईपीएल एलिमिनेटर में गुजरात और मुंबई के बीच कांटे की टक्कर हुई। मैच में पहले तो रोहित शर्मा ने जमकर बल्लेबाजी की और फिर जब टीम को सबसे ज्यादा जरूरत थी तो बुमराह ने अपना गेंद से कमाल कर दिखाया। 229 रन का लक्ष्य भी गुजरात के लिए छोटा लगने लगा था जब साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी मैदान पर रनों की बरसा कर रही थी। मैच हाथ से निकलता देख कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपने अचूक हथियार बुमराह को गेंद थमाई। साईं सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर ने 44 गेंदों में 84 रनों की साझेदारी कर मुंबई पर दबाव बना दिया और मैच फिनिश की तैयारी कर रहे थे।

बुमराह गेंदबाजी करने आए तो 39 गेंदों में 78 रन की जरूरत थी और 8 विकेट हाथ में थे। उन्होंने एक शानदार यॉर्कर डाली जिसने वाशिंगटन के स्टंप उड़ गए। मुंबई ने उस मौके का फायदा उठाकर 20 रनों से मैच जीत लिया। गुजरात के लिए साईं सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी बड़े आराम से लक्ष्य पूरा करने बढ़ रही थी लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही सबकुछ बदल गया। 24 बॉल पर 48 रन बनाकर खेल रहे सुंदर को बुमराह ने यॉर्कर पर बोल्ड किया और इसके बाद मैच गुजरात के हाथ से निकल गया। सुंदर के आउट होने के बाद रन बनाने का दबाव सुदर्शन पर आ गया और उन्होंने पूरी पारी में पहली बार ऐसा शॉट लगाया जो गुजरात पर भारी पड़ गया। रिचर्ड ग्लेसन की बॉल को स्कूप करने से चूके और 80 रन पर बोल्ड होकर वापस लौट गए। 20 ओवर में गुजरात 6 विकेट पर 208 रन ही बना सकी और मैच गवां कर आईपीएल से बाहर हो गई।

मुंबई और गुजरात मैच में साईं सुदर्शन ने बनाए 80 रन, टॉप-5 में खिलाड़यों में शामिल

नई दिल्ली।

मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटस के बीच शुक्रवार को चंडीगढ़ में एलिमिनेटर मैच खेला गया, जिसमें मुंबई ने 20 रन से जीत हासिल की। इसके साथ मुंबई ने क्वालीफायर-2 में अपनी जगह बना ली है। फाइनल मैच में पेश करने के लिए मुंबई 1 जून यानी रविवार को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। गुजरात टाइंटस भले ही ये नॉकआउट मैच नहीं जीत सकी, लेकिन उसके सलामी बल्लेबाज साईं सुदर्शन ने दमदार पारी खेलते हुए अपनी चमक बिखेरी। साईं सुदर्शन ने 49 बॉल में 1 छक्के और 10 चौकों की मदद से 80 रन बनाए जिसके साथ वह किसी एक आईपीएल सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। सुदर्शन आईपीएल-2025 में अब तक 15 मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 54.21 की औसत के साथ 759 रन बनाए हैं। इस दौरान साईं सुदर्शन 1 शतक और 6 अर्धशतक जड़ चुके हैं। आईपीएल के किसी एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है, जिन्होंने साल 2016 में कुल 16 मैच खेलते हुए 973 रन बनाए थे। उस सीजन में कोहली ने चार शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे। इस सूची में शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में 890 रन जुटाए थे, जबकि जोस बटलर ने 2022 में 863 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। डेविड वॉर्नर इस मामले मे 848 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं। शुक्रवार को खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 228 रन बनाए थे। इस दौरान रोहित शर्मा ने 81 रन की पारी खेली, जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 47 रन का योगदान दिया। गुजरात टीम की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और साईं किशोर को 2-2 विकेट मिले। इसके जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 208/6 से आगे नहीं बढ़ सकी। टीम के लिए साईं सुदर्शन ने 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 48 रन बनाए, लेकिन टीम जीत हासिल नहीं कर सकी। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए।

पावरप्ले में तीन कैच छोड़ने के बाद जीतना आसान नहीं होता- शुभमन गिल

मुल्लांपुर। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल एलिमिनेटर में 20 रन से हार के साथ ही गुजरात टाइटंस का सफर खत्म हो गया है। हार से निराश कप्तान शुभमन गिल अपना दर्द नहीं छिपा पाए। उन्होंने हार पर कहा कि पावरप्ले में तीन कैच छोड़ने के बाद जीतना आसान नहीं होता। गुजरात ने तीन में से दो कैच रोहित के छोड़े। रोहित ने इसका फायदा उठाते हुए 81 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर मुकाबले में रोहित शर्मा और जॉनी बेयरस्टो ने 22 गेंद में 47 की पारियों के दम पर 5 विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में साई सुदर्शन के 80 रन के बावजूद गुजरात टाइटंस 6 विकेट पर 208 रन ही बना सकी और हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। हार के बाद शुभमन गिल ने कहा कि आखिरी तीन-चार ओवर हमारे पक्ष में नहीं गए लेकिन यह अच्छा मैच था। हमसे कुछ गलतियां हुईं। तीन कैच छोड़ने के बाद जीतना आसान नहीं होता, खासकर पावरप्ले में। गुजरात की फील्डिंग बहुत ही लचर रही और उसने तीन अहम कैच छोड़े। इनमें से दो रोहित शर्मा के और एक सूर्यकुमार यादव का। रोहित को पावरप्ले में दो जीवनदान मिले। पहले गेराल्ड कोएत्जी ने बाउंड्री के पास उनका कैच छोड़ा फिर विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर विकेट के पीछे कैच छोड़ा। शुभमन ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए हमारा संदेश साफ था कि अपने हिसाब से खेलो। साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर से यही किया। साई बहुत ही बढिया खेले। गुजरात के कप्तान ने माना कि मुंबई ने उनकी उम्मीद से ज्यादा रन बनाए।

हेजलवुड को आईपीएल का लाभ डब्ल्यूटीसी फाइनल में मिलने की उम्मीद

चंडीगढ़।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरने के बाद आईपीएल में अच्छी वापसी की है जबकि कई अन्य खिलाड़ी अगले माह होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए स्वदेश लौट गये है। वहीं हेजलवुड का मानना है कि लय हासिल करने के लिए मैच खेलना सबसे अच्छा होता है। उनका ये भी कहना है कि इससे उन्हें (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में सहायता मिलेगी। हेजलवुड ने वापसी के बाद भी शानदार गेंदबाजी की है। पहले क्वालीफायर में ही इस गेंदबाज ने 3.1 ओवर में 21 रन पर तीन विकेट लेकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत में भी अहम भूमिका निभाई है। हेजलवुड के इस प्रदर्शन से पता चलता है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए उनकी तैयारी बेहतर होती जा रही है। आरसीबी के लिए एक माह के बाद मैदान में उतरे हेजलवुड ने कहा, 'मुझे गेंदबाजी करनी है, आप जानते हैं कि मैं दुनिया में कहीं भी रहूं, मुझे उस डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए तैयार होने के लिए गेंदबाजी करनी है। मुझे लगता है कि तैयारी के लिए मैदान पर खेलने से अच्छी कोई जगह नहीं है। ये सही है कि आपको अधिक गेंदबाजी करनी होगी और टेस्ट के लिए समय-समय पर अधिक घंटे प्रशिक्षण लेना होगा। मैच के लिए लय हासिल करने के लिए आईपीएल से बेहतर कोई जगह कोई और नहीं है। हेजलवुड को टेस्ट प्रारुप का गेंदबाज माना जाता था पर उन्होंने टी20 प्रारूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने श्रेयस अय्यर और जोश इंग्लिस जैसे बल्लेबाजों को भी आउट किया है। उन्होंने कहा, ' मैं वैसी ही गेंदबाजी की जैसी की टेस्ट मैचों में भी करता हूं। हेजलवुड ने इस सत्र में केवल 11 मैचों में 21 विकेट लिये हैं और इस दौरान उनका औसत 15.80 का रहा है। हेजलवुड ने कहा, 'मैंने पिछले कुछ सप्ताह में वापसी के लिए अपने कंधों पर बहुत मेहनत की है और पिछले 10 दिनों में अच्छी गेंदबाजी की और अब यहां आकर अच्छा लग रहा है। यहां पिच से मदद मिल रही थी।

साथ ही कहा कि मुझे तेज यॉर्कर या अतिरिक्त प्रयास वाली गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी। इसके अलावा अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के होने से भी काफी सहयोग मिला। हेजलवुड ने कहा, 'ऐसा लगता है कि हमारे पास हर विभाग में अच्छे विकल्प है। मुझे लगता है कि पांच या छह गेंदबाजों में से कोई भी मैच में किसी भी समय गेंदबाजी कर सकता है, चाहे वह शुरुआत हो, बीच में या आखिरी ओवरों हो।

अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें पंजाब के बल्लेबाज- होप्स

संदेह करना नुकसानदेह होगा

मुल्लांपुर।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के पहले क्वालीफायर में हार को लेकर कहा कि इससे खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं पर संदेह नहीं करना चाहिये। पंजाब किंग्स एक दशक के बाद प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसे में उसके खिलाड़ी और प्रशंसक चाहते हैं कि टीम खिताबी जीत दर्ज करे। टीम ने लीग सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया पर पहले क्वालीफायर में उसके बल्लेबाज विफल रहे जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा। **tisement:** 9:13 होप्स ने आठ विकेट की हार के बाद कहा, 'हमारे बल्लेबाजों के लिए अपने पर संदेह करना और भी नुकसानेह हो सकता है। उन्होंने कहा, 'हमने शुरुआती ओवर में अच्छी बल्लेबाजी की पर उसके बाद लगातार विकेट खोते रहे। यह जरूरी है कि हम इस प्रदर्शन को पीछे छोड़कर आगे बढ़े। हमें अब आगे बेहतर खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हम फाइनल में फिर से आरसीबी का मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजों की सहायक पिच पर उनके बल्लेबाजों ने ज्यादा ही आक्रामक रवैया अपनाया जिससे टीम 101 रन पर ही बना पायी। इस मैच में उनके बल्लेबाज चोट से वापसी कर रहे जोश हेजलवुड और लेग स्पिनर सुयश शर्मा के सामने टिक नहीं पाये। होप्स ने कहा, 'हमने बल्ले से बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अब हमारे पास फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर है। उम्मीद है कि हम इस मौके का फायदा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि टीम के लिए अहमदाबाद की पिच सहायक रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता–पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच–विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी–छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी–छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी– बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर– उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां–बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही–गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही–गलत का फर्क भली–भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां–बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे–बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि ा नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

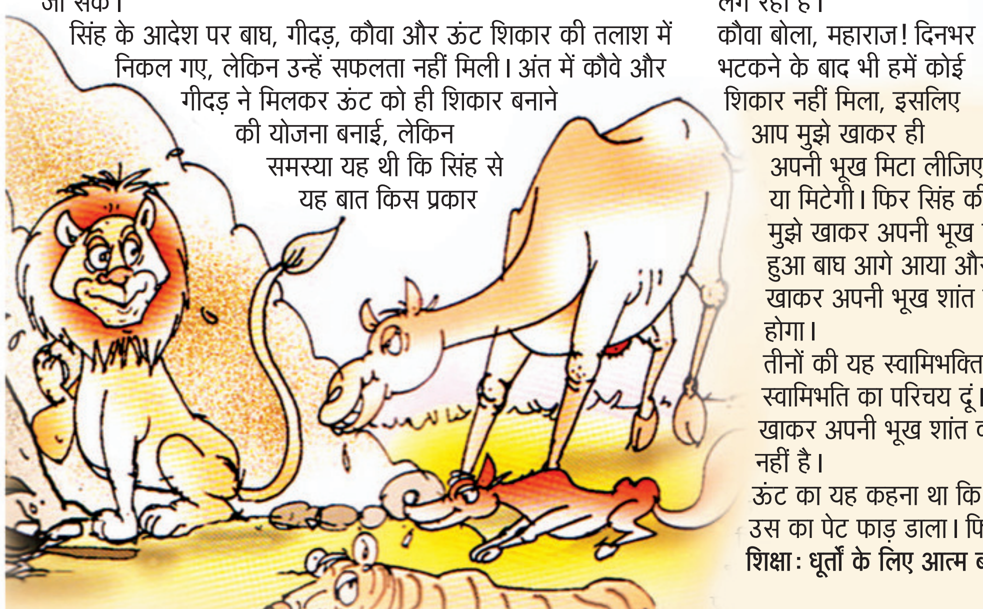

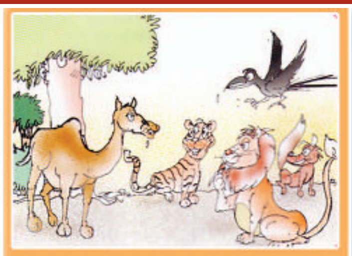

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

अंतर ढूंढो

कहानी

क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा– भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा–ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं–सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा–भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही–सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी–रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही–सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक–ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंतत: जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवत: दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने–चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है –

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना–माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब–नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे–हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश–सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने–संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन–सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक–डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट–बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को केंद्रित कर कहा- नारी शक्ति को चुनौती देना आतंकियों के लिए बन गया काल

देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर इंदौर मेट्रो और सतना-दतिया एयरपोर्ट किया लोकार्पित

भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर इंदौर मेट्रो और सतना-दतिया एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उन्होंने देशवासियों को संबोधित करते हुए मातृशक्ति को नमन किया और देवी अहिल्याबाई के योगदान को युगों तक याद रखने वाला बताया।

राजधानी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में संबोधन देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी थी और यही चुनौती उनके और उनके आकाओं के लिए काल बन गई। हमारी सेनाओं ने सैकड़ों किलोमीटर दूर जाकर दुश्मन के अड्डों को नष्ट कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन बन गया है। यहां पर पीएम मोदी ने देवी अहिल्याबाई को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत की सशक्त संरक्षक बताया।

उन्होंने कहा, कि जब देश में संस्कृति और मंदिरों पर हमले हो रहे थे, तब अहिल्याबाई ने उन्हें संजोने का संकल्प लिया और सैकड़ों मंदिरों और तीर्थ स्थलों का पुनर्निर्माण कराया। पीएम मोदी ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने महेश्वरी साड़ी उद्योग की नींव रखकर हजारों बुनकर परिवारों को रोज़गार दिया और गुजरात से हुनरमंद कारीगरों को लाकर इस कला को नया जीवन दिया। उन्होंने कहा, कि बहुत कम लोगों को पता है कि देवी अहिल्या हुनर की बड़ी पारखी थीं।

महिला सशक्तिकरण की प्रेरणास्त्रोत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अहिल्याबाई ने उस युग में नारी सुरक्षा टोलियों का गठन किया था, जब समाज में स्त्री अधिकारों की चर्चा भी दुर्लभ थी। उन्होंने बेटियों की शादी की उम्र, शिक्षा और अधिकारों को लेकर ठोस पहल की, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा है।

कृषि और जल प्रबंधन में अद्वितीय योगदान

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देवी अहिल्या ने कपास और मसालों की खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, कि आज हम क्रॉप डायवर्सिफिकेशन की बात करते हैं, लेकिन अहिल्याबाई ने यह सोच तीन सौ साल पहले अपनाई थी। उन्होंने नहरों और तालाबों का निर्माण कर जल संरक्षण को बढ़ावा दिया, जो आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

शासन का लोककल्याणकारी मॉडल

पीएम मोदी ने कहा कि अहिल्याबाई ने शासन का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया, जिसमें गरीबों, वंचितों, आदिवासियों और श्रमिक वर्ग को प्राथमिकता दी गई। उनका गवर्नेंस मॉडल आज भी हमारे लिए आदर्श है। उन्होंने प्रभु सेवा और जन सेवा को कभी अलग नहीं माना।

विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने इंदौर मेट्रो और सतना-दतिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करते हुए कहा कि ये प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में सुविधाओं को बढ़ाएंगे, विकास को गति देंगे और युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएंगे। इस पवित्र दिवस पर विकास के इन सभी कार्यों के लिए मैं प्रदेशवासियों को बधाई देता हूं।

पाकिस्तान से सटे कई राज्यों मे चलेगा ऑपरेशन शील्ड, सभी को तैयार रहने की जरुरत

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों के साथ ही पंजाब, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ के सीमावर्ती जिलों में यह मॉक ड्रिल की जाएगी। पहले यह मॉक ड्रिल 29 मई को होनी थी लेकिन फिर इसे पोस्टपोन कर दिया गया था। प्रशासन ने बताया कि अब तैयारियां पूरी हो गई हैं। पाकिस्तान से तनाव के बीच सीमावर्ती 6 राज्यों में शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत सुरक्षा की मॉक ड्रिल की जाएगी। इस ऑपरेशन शील्ड का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को युद्ध की स्थिति के लिए तैयार करना है। इसके हत यह बताया जाएगा कि युद्ध के समय खुद को और अपने आसपास के लोगों को कैसे बचाया जा सकता है। ऑपरेशन शील्ड के दौरान सायरन बजेंगे और कुछ देर के लिए ब्लैकआउट किया जाएगा। इन्वर्टर, सोलर लाइट और मोबाइल की टॉर्च के अलावा वाहनों की लाइट जलाने पर भी पाबंदी होगी। मॉक ड्रिल के दौरान लोगों से कहा गया है कि वे अपनी खिड़कियों के पर्दे भी बंद कर दें ताकि किसी तरह की रोशनी बाहर ना निकले। प्रशासन ने इसकी जानकारी लोगों तक पहले ही पहुंचा दी है ताकि लोगों में किसी तरह का पैनिक ना हो। यह मॉकड्रिल इसलिए कराई जा रही है ताकि एयरक्राफ्ट, ड्रोन या फिर मिसाइल हमले के वक्त लोगों को सुरक्षित बचाया जा सके। इस ड्रिल के तहत बेहद शांत तरीके से सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को बुलया जाएगा। इसके बाद इवैकुएशन ड्रिलल होगी। आपस में बातचीत के तरीकों को लेकर भी मॉक ड्रिल की जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद सीमावर्ती जिलों में मॉकड्रिल की गई थी। पाकिस्तान की सीमा से सटे हुए राज्यों को रिस्क ज्यादा होता है। यहां हवाई हमले और ड्रोन से हमले होने की गुंजाइश ज्यादा होती है। ऐसे में सरकार का फोकस इन इलाकों में ज्यादा होता है। ब्लैकआउट से दुश्मन के लिए रिहाइशी इलाकों की पहचान कर हमला करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए मॉक ड्रिल के दौरान भी ब्लैकआउट किया जाता है। बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर हमले शुरू कर दिए जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया गया। पाकिस्तान की बौखलाहट और खीझ को देखते हुए ही यह मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। यह ड्रिल 7 मई वाली ड्रिल की तरह ही होगी।

तेजी से पैर पसार रहा कोरोना, देशभर में कोरोना के सक्रिय केसों की संख्या 3207 हुई

केरल में सबसे ज्यादा 1147 मामले

नई दिल्ली।

देशभर में कोरोना के सक्रिय केसों की संख्या 3207 पहुंच गई है। केरल में सबसे ज्यादा 1147 मामले हैं। महाराष्ट्र सक्रिय केस के मामले में दूसरे नंबर पर है। शुक्रवार को राज्य में 84 नए केस सामने आए, यहां अब 681 मरीज हैं। देश के 60 फीसदी सक्रिय केस इन्हीं दो राज्यों में हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 20 पहुंच गई है। इसमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं। कर्नाटक के मैसूर में शुक्रवार को 63 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। राज्य में कोरोना से यह तीसरी मौत है।

इसके अलावा, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कुल 13 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने 31 मई को दिल्ली, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु में भी एक-एक मौत की पुष्टि की। गुजरात के अहमदाबाद में शुक्रवार को एक दिन के नवजात की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

बच्चे को आईसीयू में रखा गया है। पिछले सप्ताह बच्चे की मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी, हालांकि अब उनकी रिपोर्ट निगेटिव है। मेघालय में 7 महीने बाद कोविड के 2 मिले हैं। वहीं उत्तरपूर्व के राज्य मिजोरम में 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, तब राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे।

उन्होंने बताया कि मरीजों का इलाज आइजोल के पास फल्कोन में जोरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा है। महाराष्ट्र में 9 हजार से ज्यादा कोविड टेस्ट

महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि शुक्रवार को कोविड के 84 नए मामले सामने आए।

जबकि मुंबई में जनवरी 2025 से अब तक कुल 681 केस मिले हैं। जनवरी से अब तक राज्य में 9592 कोविड-19 टेस्ट किए गए।

वहीं, जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को कोविड-19 के दो मामले सामने आए थे। दोनों मरीज केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी पर लॉ स्टूडेंट गुरुग्राम से गिरफ्तार

गुरुग्राम।

ऑपरेशन सिंदूर पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुणे की एक लॉ स्टूडेंट शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पनोली द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा वीडियो एक विशेष धर्म को निशाना बनाकर अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणियां करता था।

हालांकि वीडियो बाद में हटा लिया गया, लेकिन तब तक वह वायरल हुआ व्यापक आक्रोश का कारण बना।वीडियो के खिलाफ कोलकाता के पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके आधार पर एफआईआर दायर की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ÷यह मामला एक महिला द्वारा साझा किए गए इंस्टाग्राम वीडियो से जुड़ा है, जिसमें एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली बातें कही गई थीं। पुलिस का कहना है कि पनोली और उनके परिवार को कानूनी नोटिस देने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन वे घर पर नहीं मिले और जानबूझकर फरार हो गए।

एक ने नेत्रदान किया दो लोगों को मिली आंख की रोशनी

पटना।

अब वो अंधेरी दुनिया से लौट आए हैं। सबकुछ बेहतर दिख रहा है और नेत्र देने वाले को धन्यवाद दे रहे हैं। पटना एम्स में नेत्र बैंक बनने के 10 माह बाद किसी व्यक्ति ने नेत्रदान दिया। इसके बाद पहली बार कॉर्निया ट्रांसप्लांट किया गया। इससे लोगों को रोशनी वापस लौटी। इस ट्रांसप्लांट को नेत्र विभाग के हेड डॉ अमित राज के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने पूरा किया। इस मौके पर डॉ। अमित ने बताया कि एम्स पटना में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से पीडित 100 से अधिक मरीज पंजीकृत हैं लेकिन डोनर नहीं मिलने के कारण सभी इंतजार कर रहे हैं। पटना एम्स में पहली बार कॉर्निया ट्रांसप्लांट कर दुल्हिन बजार के 55 वर्षीय पुरुष और संपतचक की 30 वर्षीया महिला की आंखों की रोशनी लौटाई गई। एक ट्रांसप्लांट में 45 मिनट से एक घंटे का समय लगता है। बता दें कि 55 वर्षीय व्यक्ति की आंखों का कॉर्निया 14 वर्ष की उम्र में चोट लगने की वजह से सफेद और धुंधला हो चुका था। एम्स पटना में नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने पहले मोतियाबिंद की सर्जरी की और कॉर्नियल ट्रांसप्लांट सर्जरी से नया कॉर्निया प्रत्यारोपित किया। अब इस मरीज को पहले की तरफ साफ-साफ दिखाई दे रहा है।दूसरी मरीज, 30 वर्षीया महिला पटना के संपतचक की रहने वाली हैं। कुछ समय पहले उनकी आंखों में इन्फेक्शन हुआ था। यह इतनी तेजी से फैला कि देखते ही देखते इंफेक्शन एक आंख की कॉर्निया को पिघलाने लगा। धीरे-धीरे उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से खत्म हो गई। चिकित्सीय केराटोप्लास्टी के माध्यम से नया कार्निया प्रत्यारोपित किया गया और संक्रमण फैलने से रोका गया।

इन दोनों लोगों की रोशनी तभी लौट पाई जब एक व्यक्ति ने नेत्रदान किया। जमीनी हकीकत यह है कि लोग नेत्रदान के प्रति जागरूक नहीं हैं। इस वजह से कॉर्निया नहीं मिल पा रहा है। इसके इंतजार में पटना एम्स में 100 से अधिक मरीज पंजीकृत हैं, वे लंबे समय से कॉर्निया ट्रासप्लाट का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, कॉर्निया डोनर की संख्या बिल्कुल सीमित है।

भागलपुर-दुमका रेलखंड में 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें, जल्द होगा ट्रायल

भागलपुर।

भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत, दुमका-पटना एक्सप्रेस, वनांचल एक्सप्रेस सहित कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों का भागलपुर-दुमका रेलखंड में संचालन हो रहा है। इसके मद्देनजर भागलपुर से दुमका के बीच ट्रैक की स्पीड 110 किलोमीटर प्रतिघंटा से बढ़ाकर 120 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की जानी है।इसको लेकर अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ भागलपुर-दुमका रेलखंड का स्पीड ट्रायल करने वाला था, लेकिन तकनीकी कारणों के चलते टाल दिया गया है।अब किसी और दिन ट्रेन का स्पीड ट्रायल किया जाएगा। जल्द ही इसके लिए नई डेट तय की जाएगी। अब तक नई डेट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों के साथ वे विंडो ट्रेलिंग करते हुए बारापलासी, गोड्डा और बांका जाएंगे। जहां यात्री सुविधाओं सहित संरक्षा कार्यों को देखेंगे। डीआरएम शनिवार को सुबह 6.15 बजे भागलपुर से निरीक्षण ट्रेन से गोड्डा के लिए निकलेंगे। सुबह आठ बजे गोड्डा पहुंचने के बाद एक घंटे तक स्टेशन के विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद बारापलासी और बांका रेलखंड व स्टेशनों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे भागलपुर पहुंचेंगे और यहां निरीक्षण करेंगे। ट्रैक की स्पीड बढ़ने से ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी। ट्रैक की स्पीड बढ़ने से ट्रेनों के संचालन समय में बदलाव किया जा सकता है। एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इस बीच शनिवार को मालदा रेल प्रबंधक (डीआरएम) मनीष कुमार गुप्ता भागलपुर से हंसडीहा रेलखंड का निरीक्षण करने जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोसी एक्सप्रेस के एसी कोच से अचानक उठने लगा धुआं, यात्रियों में मची भगदड़

संसू।

बिहार के पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत सहरसा मानसी रेलखंड के सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन से कुछ ही दूरी पर पुरैनी-गोरगामा के बीच शनिवार सुबह पूर्णिया कोर्ट से पटना जा रही कोसी एक्सप्रेस अचानक गोरगामा और पुरानी के बीच में रुकी और यात्री इधर-उधर भागने लगे। घटना के संबंध में सिमरी बख्तियारपुर से पटना जा रहे एक यात्री ने बताया कि कोसी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से करीब बीस मिनट की देरी से सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन पहुंची। यहां से ट्रेन आगे की ओर रवाना हुई। जैसे ही कोसी एक्सप्रेस ट्रेन पुरैनी व गोरगामा के समय पहुंची अचानक ट्रेन के एसी कोच बी-1 में धुआं भर गया। ट्रेन में धुआं भरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, यात्रियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए चेन खींचकर ट्रेन को रोका। जैसे ही ट्रेन रुकी ट्रेन से उतरकर यात्री इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना पर ट्रेन में मौजूद रेल कर्मियों ने तुरंत स्थिति को सामान्य किया। इस दौरान ट्रेन करीब आधे घंटे तक रुकी रही। स्थिति सामान्य होने के बाद यात्रियों को ऐसी कोच से दूसरे कोच में शिफ्ट किया गया, जिसके बाद ट्रेन रवाना हुई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पीएम की रैली में बंगाल सरकार के खिलाफ चलाया 'दुर्भावनापूर्ण' अभियानः ममता

कोलकाता।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर हिंसा, भ्रष्टाचार और अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाने के बाद सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि राजनीति से प्रेरित होकर उनकी सरकार के खिलाफ एक ''दुर्भावनापूर्ण और झूठा अभियान'' चलाया गया। उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में गुरुवार को एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने मुर्शिदाबाद दंगों और शिक्षक भर्ती घोटाले का हवाला दिया और दावा किया कि राज्य के लोग ''निर्मम सरकार'' को हटाने के लिए बेताब हैं। सीएम ममता बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में राजनीति से प्रेरित होकर एक दुर्भावनापूर्ण और झूठा अभियान चलाया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह एक ऐसा अभियान था, जिसके तहत अलीपुरद्वार जिले के लोगों के लिए हमारी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को कमतर बताने और मिटाने का प्रयास किया गया।

दोपहर 3.15 पर दो सरकारी भवन उड़ जाएंगे, सभी को वहां से निकाल लो

सुबह करीब 6 बजे अधिकारियों को मिला मेल, जांच के बाद धमकी झूठी निकली

नई दिल्ली।

दिल्ली में दो प्रमुख सरकारी इमारतों, उद्योग भवन और निर्माण भवन को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिये मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरु किया है। जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली। दोनों केंद्रीय सरकारी परिसरों के वरिष्ठ अधिकारियों को सुबह 6:49 बजे ई-मेल के जरिए धमकी दी गई थी कि परिसर में आईईडी लगाए गए हैं और चेतावनी दी कि दोपहर 3:15 बजे तक सभी को वहां से निकाल लें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों इमारतों में स्थित मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारियों को सुबह 6:49 बजे एक जैसे ई-मेल भेजकर आत्मघाती आईईडी की धमकी दी गई। उद्योग भवन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के साथ-साथ भारी उद्योग मंत्रालय का कार्यालय भी है, जबकि निर्माण भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालयों के कार्यालय हैं। रिपोर्ट में सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह फर्जी ई-मेल विदेश से भेजे जाने का शक है और केंद्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। शनिवार सुबह दोनों भवनों में तलाशी शुरु की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि कोई भी आपत्तिजनक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और दोपहर बाद यह धमकी झूठी साबित हुई। पुलिस अब आगे की जांच कर रही है कि यह मेल किसने भेजा।

आतंकवाद के आकाओं को चुकानी होगी बड़ी कीमत, जयशंकर की पाक को चेतावनी

दीक्षांत समारोह में छात्रों को किया संबोधित

वडोदरा।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वडोदरा से पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और आतंक के आकाओं को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा नीति जीरो टॉलरेंस पर आधारित है और राष्ट्रहित में कोई भी निर्णय दबाव में नहीं, बल्कि मजबूती से लिए जाते हैं।

दरअसल विदेश मंत्री जयशंकर वडोदरा की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में छात्रों के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि हम कभी भी न्यूक्लियर के नाम पर ब्लैकमेलिंग के आगे नहीं झुकेंगे। भारत के राष्ट्रीय हितों से जुड़े जो भी निर्णय लेने ज़रूरी हैं, वे लिए गए हैं और लिए जाते रहेंगे। जयशंकर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अब आतंकवाद के केंद्र अछूते नहीं रहेंगे। आतंकवाद को पालने-पोसने और उसे रणनीतिक साधन की तरह इस्तेमाल करने वालों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकी हमले को लेकर देश में रोष व्याप्त है। इस आतंकी हमले को पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने और धार्मिक नफरत फैलाने की साजिश करार देते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयासों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, और दिया गया है। उन्होंने 26/11 मुंबई हमले का हवाला देते हुए कहा कि पहले भी भारत को आतंक के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी पड़ी थी, लेकिन अब देश की सुरक्षा नीति कहीं अधिक मुखर और निर्णायक हो चुकी है। जयशंकर ने भारत की विदेश और सुरक्षा नीति की तीन प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा, निर्णय लेने में दबाव नहीं सहा जाएगा, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होंगे और आतंकवाद पर पूर्ण प्रतिबंध और आक्रामक प्रतिरोध जारी रहेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की रणनीति अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय प्रतिरोध और रोकथाम पर आधारित है।

यहां बताते चलें कि विदेश मंत्री जयशंकर का यह बयान शांग्री-ला डायलॉग में सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कड़े रुख के बाद आया है, जहां भारत ने पाकिस्तान और चीन को लेकर अपनी नवीन रणनीति और आत्मनिर्भर सुरक्षा दृष्टिकोण को दोहराया। अब भारत का आतंकवाद और उसके आकाओं के लिए कड़ा संदेश है, कि भारत अब सहन नहीं करता, भारत अब उत्तर देता है।

मिजोरम में बारिश ने मचाई तबाही, 5 मकान व होटल ढही, कई मलबे में दबे

लॉन्गतलाई।

पूर्वोत्तर राज्यों में मानसून पहुंचने से पहले ही भारी बारिश जारी है। मिजोरम और असम में बारिश ने बुरा हाल कर रखा है। दक्षिणी मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश से हुए भूस्खलन में पांच मकान और एक होटल ढहने से कई लोगों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शुक्रवार रात लॉन्गतलाई के बाजार वेंग और चांदमारी इलाकों के सीमावर्ती इलाके में भूस्खलन की चपेट में आने से मकान और होटल ढह गए। होटल में ठहरे म्यांमार के कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि घटना की विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। पूर्वोत्तर राज्य में शुक्रवार से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिसके कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में बीते 48 घंटे से हो रही भारी बारिश के चलते असम सरकार ने स्कूल और कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है। इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों के लिए भी आकस्मिक छुट्टी घोषणा कर दी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी परामर्श में कहा गया कि तेज बारिश ने राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से के जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बने दबाव के कारण इन जिलों में 20-30 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ताइवान के पास चीन की घुसपैठ बढ़ी, 16 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज देखे गए

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार सुबह जानकारी दी कि चीन ने ताइवान के पास सैन्य घुसपैठ तेज कर दी है। सुबह 6 बजे तक 16 चीनी सैन्य विमानों, 8 नौसैनिक जहाजों और 1 सरकारी जहाज की गतिविधि ताइवान के आसपास देखी गई। इनमें से 7 विमान ताइवान की हवाई पहचान जोन में घुसे और मीडियन लाइन पार कर उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र में दाखिल हुए। ताइवान की सेना ने हालात पर नज़र रखी और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रही। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इसके पहले गुरुवार को भी चीन की ओर से 8 नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। उस समय कोई विमान नहीं था, इसलिए फ्लाइट पाथ की तस्वीर शेयर नहीं की गई।

कनाडा में भारतवंशी महिला की तलाश जारी, मानव अवशेष बरामद

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में भारतवंशी महिला की तलाश के दौरान मानव अवशेष बरामद किए गए हैं। कनाडाई पुलिस ने बताया कि दिसंबर से लापता 40 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की तलाश के दौरान हैमिल्टन लैंडफिल में आंशिक मानव अवशेष पाए गए। पुलिस डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसमें कई हफ्ते का समय लग सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लापता महिला का नाम शालिनी सिंह है। उनके परिवार के सदस्यों ने 10 दिसंबर, 2024 को उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अमेरिका चुनाव अधिकारियों को धमकी पर तीन साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेनवर में जिला न्यायाधीश एस. काटो क्रूज ने कोलोराडो और एरिजोना में डेमोक्रेटिक चुनाव अधिकारियों को धमकाने के दोषी को तीन साल जेल की सजा सुनाई। ऑनलाइन धमकियों के अलावा इसने चरमपंथी सामग्री को प्रसारित भी किया। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि इस तरह के कीबोर्ड आतंकवाद के लिए दंड इतना गंभीर होना चाहिए कि अन्य लोग भी ऐसा करने से बचें। उन्होंने कहा, चुनाव और अन्य सरकारी अधिकारियों के खिलाफ धमकियां बढ़ रही हैं। लोगों को यह याद रखना होगा कि मतभेदों को हिंसा से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। जनता को ऐसे लोगों को आदर्श के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहिए।

नेपाल में भारत की मदद से बन रहे कृषि केंद्र का शिलान्यास

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में भारत और नेपाल के अधिकारियों ने बुधवार को भारत की वित्तीय सहायता से बनने जा रहे कृषि संवर्धन केंद्र के निर्माण की आधारशिला रखी। इस केंद्र में अनाज का संग्रहण एवं वितरण किया जाएगा, जिसमें वितरण डेस्क, रिकॉर्ड रूम और अन्य संबद्ध सुविधाएं होंगी। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि स्वामीकार्तिक खापर ग्रामीण नगर पालिका के अध्यक्ष भरत बहादुर रोकाया और दूतावास के काउंसलर अविनाश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से इस भवन की आधारशिला रखी। यह भवन भारत सरकार की वित्तीय सहायता से 'नेपाल-भारत विकास सहयोग' के अंतर्गत 3.141 करोड़ नेपाली रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। नेपाल को दिए जा रहे विकासात्मक समर्थन के लिए रोकाया और अन्य राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भारत की सराहना की है।

रूस बोला- सहयोगी सर्बिया ने पीठ में छुरा घोंपा, यूक्रेन को हथियार सप्लाई किए

मास्को, एजेंसी। रूस ने अपने पुराने सहयोगी सर्बिया पर यूक्रेन को हथियार भेजने का आरोप लगाया है। रूस ने कहा है कि सर्बिया नाटो देशों की मदद से गुप्त तरीके से जंग में यूक्रेन को हथियार दे रहा है। रूस ने इसे पीठ में छुरा घोंपने जैसा बताया है और कहा कि इन हथियारों का मकसद सिर्फ रूसी सैनिकों और नागरिकों को मारना है। रूसी खुफिया एजेंसी एसवीआर के मुताबिक, सर्बिया की रक्षा कंपनियां अब भी सोवियत-काल के हथियार बना रही हैं और ये गोलाबारूद चेक गणराज्य, पोलैंड और बुल्गारिया जैसे देशों के जरिए यूक्रेन पहुंचाया जा रहा है। कुछ खेपें अफ्रीकी देशों के रास्ते भी भेजी गई हैं। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूचिच ने स्वीकार किया है कि उन्होंने इस मुद्दे पर हाल ही में राष्ट्रपति पुतिन से बात की है। दोनों देशों ने मिलकर एक वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई है, जो यह जांच करेगा कि हथियार यूक्रेन तक कैसे पहुंच रहे हैं। हालांकि वूचिच ने सीधे तौर पर हथियार भेजने से इनकार किया है।

कोपेनहेगन पहुंची टीम रविशंकर; सिएरा लियोन में श्रीकांत शिंदे नीत शिष्टमंडल

कोपेनहेगन, एजेंसी। भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे हैं। अलग-अलग दलों में शामिल 51 सांसदों के अलावा कई राजनयिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नौकरशाह टीम इंडिया की तरह पाकिस्तानी दुष्प्रचार को धराशायी करने में जुटे हैं। इन शिष्टमंडलों में शामिल सभी लोग दहशतगर्दों के पनाहगाह पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को अलग-अलग मंचों पर बेनकाब कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद नीत शिष्टमंडल फ्रांस-इटली के बाद कोपेनहेगन पहुंचा है। अन्य दल सिएरा लियोन, पनामा, ग्रीस, बहरीन, कतर, रूस, जापान और यूएई जैसे देशों का दौरा कर चुके हैं। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कूटनीतिक मुहिम जारी है। इंडोनेशिया में जदयू सांसद और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल समूह 3 के नेता संजय कुमार झा ने कहा कि केएच उलिल अबशार अब्दुल्ला ने कहा कि एक मुसलमान होने के नाते वे भारत का दर्द समझते हैं। वे महाकुंभ में भी गए थे। भारत में मुस्लिम आबादी पाकिस्तान से ज्यादा है, लेकिन पाकिस्तान इस्लामिक सहयोग संगठन में समर्थन जुटाकर भारत के खिलाफ प्रस्ताव पारित करता है। उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया कि वे इस पर गौर करेंगे। पहलगाम में निर्दोष लोगों को उनके धर्म का पता लगाकर मार दिया गया। वे भारत के सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करना चाहते थे। हमने अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि की भी सराहना की। इंडोनेशिया में नहदलातुल उलमा कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष केएच उलिल अबशार अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ समूह इस्लाम के नाम पर हिंसा को बढ़ावा देते हैं। यह सही नहीं है क्योंकि इस्लाम एक शांतिप्रिय धर्म है और मुसलमान शांतिप्रिय लोग हैं। मैंने भारत के अपने सहयोगियों से कहा कि आतंकवाद के सबसे बड़े पीड़ित हिंदू, बौद्ध या ईसाई नहीं हैं। सबसे बड़े पीड़ित खुद मुसलमान हैं। इसलिए इस समस्या से निपटने के बारे में सबसे पहले चिंतित लोग खुद मुसलमान हैं। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में रहने वाले लोग शांति और सद्भाव चाहते हैं क्योंकि इसके बिना आर्थिक विकास और राजनीतिक स्थिरता हासिल नहीं की जा सकती। अगर लोगों को धर्मों की उचित और सही समझ नहीं है और वे हिंसा को वैध बनाने के लिए धर्मों का शोषण करते हैं, तो यह खतरनाक है। मैंने भारतीय संसद के अपने सहयोगियों से कहा कि इंडोनेशियाई इतिहास की सबसे गहरी भूगर्भीय परत भारतीय इतिहास और सभ्यता द्वारा आकार ली गई है। इसलिए भारत और इंडोनेशिया को लोगों के बीच आपसी सहयोग के आधार पर भी सहयोग करना चाहिए। जकार्ता में जदयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने नहदलातुल उलमा कार्यकारी बोर्ड (पीबीएनयू) के अध्यक्ष केएच उलिल अबशार अब्दुल्ला के साथ बैठक की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि भारतीय संसद में लंबे समय से सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को खाली करके भारत को वापस दिया जाना चाहिए। भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि बातचीत तभी हो सकती है जब पाकिस्तान की शांति के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट हो और आतंकवाद को उसका समर्थन बंद हो जाए। इसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बारे में बातचीत भी शामिल है। इंडोनेशिया ने हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक सहयोग किया। उन्होंने बहुत रुचि ली और भारत की स्थिति के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष द्वारा प्रचारित कथानक को हमारी बातचीत में पूरी तरह से नकार दिया गया और खारिज कर दिया गया।

दो भारतीय शांति सैनिक मरणोपरांत सम्मानित, दुनिया ने इस खास मौके पर किया शौर्य को सलाम

न्यूयार्क, एजेंसी। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र के झंडे तले सेवा करते हुए अपनी जान गंवाने वाले दो भारतीय शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिक दिवस पर मरणोपरांत सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर गुरुवार को यहां एक भव्य समारोह में ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा और हवलदार संजय सिंह को डैग हैमरशॉल्ड पदक से सम्मानित किया गया।

ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा ने संयुक्त राष्ट्र विघटन पर्यवेक्षक बल (यूएनडीओएफ) के साथ काम किया था, जबकि हवलदार संजय सिंह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र स्थिरीकरण मिशन (एमओएनयूएससीओ) के साथ तैनात थे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित भव्य समारोह में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से शहीद भारतीय शांति सैनिकों के परिवारों की ओर से डैग हैमरशॉल्ड पदक प्राप्त किया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिवंगत शांति सैनिक हमें मानवता की व्यापक और सामूहिक भलाई के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाते हैं। ब्लू हेलमेट्स दुनिया भर में संकटों के समय संयुक्त राष्ट्र का चेहरा बने हुए हैं, जो सबसे गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को शांति और आश्वासन मुहैरया कराते हैं। वे उम्मीद की किरण बनकर उभरते हैं। भारत ने दिवंगत ब्रिगेडियर अमिताभ झा (यूएनडीओएफ), हवलदार संजय सिंह (एमओएनयूएससीओ) और कर्नल (सेवानिवृत्त) वैभव अनिल काले को भी याद किया, जिन्हें हमने पिछले साल खो दिया था।

चीन जापानी समुद्री खाद्य आयात को फिर से शुरू करेगा: जापान

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को कहा कि चीन जापानी समुद्री खाद्य का आयात फिर से शुरू करेगा। इस पर उसने क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपशिष्ट जल को समुद्र में छोड़े जाने के कारण 2023 में प्रतिबंध लगाया था। कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने कहा कि बीजिंग में जापानी और चीनी अधिकारियों की बैठक के बाद दोनों पक्ष एक समझौते पर पहुंच गए हैं। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद आयात पुनः शुरू हो जाएगा। इसके तहत बीजिंग को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के एक भाग के रूप में जल नमूनाकरण मिशन में शामिल होकर प्रतिबंध को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाना था। फुकुशिमा दाइची संयंत्र 2011 के भूकंप और सुनामी में क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे इसके तीन रिएक्टर पिघल गए और बड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी पानी जमा हो गया।

शांति मिशनों में भारत सबसे आगे, अपराधों की जवाबदेही तय करने में निभा रहा भूमिका, यूएन शांति प्रमुख बोले

न्यूयार्क, एजेंसी। भारत शांति सुरक्षा के क्षेत्र में बहुत अहम भूमिका निभाता है। यह न केवल अपने जवानों के जरिए शांति मिशनों में योगदान देता है, बल्कि शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों की जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे कई प्रयासों का भी नेतृत्व करता है। संयुक्त राष्ट्र के शांति सुरक्षा विभाग के प्रमुख जीन-पियरे लाक्रॉइक्स ने यह बात कही। संयुक्त राष्ट्र में शांति अभियानों के अवर महासचिव जीन-पियरे लाक्रॉइक्स की यह टिप्पणी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस के मौके पर एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आई। वह 24-25 फरवरी को भी नई दिल्ली आए थे, जब भारत की ओर से पहले महिला शांति सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में 35 देशों की महिला शांति सैनिकों ने भाग लिया था। इसमें शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका और सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई थी। लाक्रॉइक्स ने कहा कि कि भारत शांति सैनिकों और पुलिस बल के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है और महिला शांति सैनिकों के मामले में भी भारत अग्रणी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि शांति मिशनों में महिलाओं की संख्या बढ़ाना और उन्हें राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल करना जरूरी है ताकि शांति बनाए रखने के प्रयास सफल हों। यह कोई विचारधारा नहीं, बल्कि हकीकत है कि महिलाओं की भागीदारी से शांति प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की

महिला सैन्य सलाहकार मेजर जनरल शेरिल पियर्स के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में लाक्रॉइक्स ने कहा कि महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अभी और प्रयास करने की जरूरत है, खासकर वरिष्ठ पदों पर।भारत यूएन शांति मिशन के लिए चौथा सबसे बड़ा सैनिक योगदानकर्ता देश है। यह अब तक 5,300 से अधिक सैनिक और पुलिसकर्मी अफ्रीका, लेबनान, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा जैसे इलाकों में तैनात कर चुका है। भारत 2007 में लाइबेरिया में पहली बार पूरी तरह महिलाओं से बनी पुलिस यूनिट भेजने वाला देश था। जनवरी 2023 में भारत ने अबीई मिशन (सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित क्षेत्र) में महिला शांति सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी भेजी। दिसंबर 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता के दौरान शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों की जवाबदेही बढ़ाने के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' की शुरुआत की और एक नए डाटाबेस का शुभारंभ किया जो अपराधों को दर्ज करता है और दोषियों को सजा दिलाने में मदद करता है।

हार्वर्ड मामले में ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर फिलहाल रोक

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हार्वर्ड की विदेशी छात्रों को दाखिला देने की पात्रता खत्म करने के फैसला लिया था, जिस पर फिलहाल फेडरल कोर्ट ने रोक लगा दी है। इस मसले पर गुरुवार को सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी फिलहाल छात्रों का नामांकन जारी रख सकती है। हार्वर्ड ने कहा था कि अगर उसे विदेशी छात्रों को दाखिला देने की अनुमति नहीं दी जाती, तो इससे यूनिवर्सिटी के करीब 25प्रतिशत छात्रों पर असर पड़ेगा।

यूनिवर्सिटी के वकीलों ने अदालत में कहा कि यह फैसला अचानक और बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के लिया गया, जबकि नियमों के मुताबिक विभाग को कारण बताना और 30 दिन का समय देना जरूरी होता है।

क्या है मामला : ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड पर यह आरोप लगाया कि वह कैंपस में यहूदी विरोध को बढ़ावा दे रहा है और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर काम कर रहा है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि यूनिवर्सिटी ने छात्रों की विचारधारा को उकसाने वाला माहौल बनाया है।

ट्रम्प ने बुधवार को ओवल ऑफिस में कहा, हार्वर्ड को अनुशासन में रहना होगा। उन्हें विदेशी छात्रों की संख्या 15त्र तक सीमित रखनी चाहिए। हार्वर्ड ने क्या कहा? हार्वर्ड के वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि यह ट्रम्प प्रशासन का यह फैसला बदले की कार्रवाई से भरा है, जो यूनिवर्सिटी की अकादमिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा हमला करता है। वकीलों ने कहा कि यह फैसला संघीय नियमों का उल्लंघन है, क्योंकि विभाग ने बिना कोई ठोस कारण बताए अचानक सर्टिफिकेशन रद्द कर दिया। यूनिवर्सिटी को मिलने वाले फंड पर भी खतरा यह अकेला मामला नहीं है जिसमें हार्वर्ड ट्रम्प प्रशासन से भिड़ी है। यूनिवर्सिटी पहले से ही एक अन्य मुकदमे में भी उलझी है, जिसमें प्रशासन ने यूनिवर्सिटी के 3 अरब डॉलर के फेडरल रिसर्च फंड को बंद करने का फैसला लिया है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि यह सभी कार्रवाइयां राजनीतिक बदले से प्रेरित हैं।

अमेरिकी सीमा पर भारतीय नागरिक गिरफ्तार, इंडियाना राज्य से बाल यौन शोषण के आरोप में जारी हुआ था वारंट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के शैम्प्लेन बंदरगाह सीमा क्रॉसिंग पर अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) अधिकारियों ने एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी नागरिक अवैध रूप से अमेरिका में रह रहा था। उसके खिलाफ इंडियाना राज्य से बाल यौन शोषण के आरोप मे वारंट जारी हुआ था।

अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने 42 वर्षीय गुरदेव सिंह को बुधवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उसे न्यूयॉर्क राज्य पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल वह क्लिंटन काउंटी शेरिफ कार्यालय में हिरासत में है और प्रत्यर्पण की प्रतीक्षा कर रहा है।

सीबीपी अधिकारियों ने सिंह को तब पकड़ा, जब उसे कनाडा में प्रवेश देने से मना कर दिया गया। जांच में सामने आया कि वह इंडियाना में बाल प्रलोभन, यौन शोषण के प्रलोभन देने के लिए वांछित था। गिरफ्तारी के बाद सीबीपी अधिकारियों ने गुरदेव सिंह की पहचान सत्यापित की तथा उनके विरुद्ध जारी गिरफ्तारी वारंट की पुष्टि की। वहीं जब सीबीपी अफसरों ने आरोपी सिंह की जांच की तो उसके पास से तलवार और कुल्हाड़ी सहित कई धारदार हथियार मिले। जांच से पता चला कि गुरदेव सिंह भी एक अवैध विदेशी था, जो 2016 से अपने आगंतुक वीजा की अवधि से अधिक समय तक यहां रहा था। चैम्पलेन पोर्ट के निदेशक स्टीव ब्रोंसन ने एक बाल शोषण के आरोपी गुरदेव सिंह की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए सीबीपी अधिकारियों की सराहना की। ब्रोंसन ने कहा कि हमारे अधिकारी के अद्वितीय कौशल और अनुभव के साथ-साथ हमारे राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने से वांछित भगोड़े को पकड़ने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। खासकर उनको जो हमारे बच्चों का शिकार करते हैं।

बोइंग का आपराधिक केस किया गया बंद, न्यायाधीश से की 346 मौत के मामले में दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने बोइंग को बड़ी राहत दी है। न्याय विभाग ने आपराधिक धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज केस को बंद कर दिया है। वहीं कोर्ट से इंडोनेशिया और इथोपिया के तट पर हुई दो विमान दुर्घटनाओं से जुड़े मुकदमे को रद्द करने की मांग की है। इन हादसों में 346 लोग मारे गए थे। पिछले सप्ताह अमेरिकी न्याय विभाग ने बोइंग के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत कंपनी को 737 मैक्स जेटलाइनर के बारे में अमेरिकी नियामकों को कथित रूप से गुमराह करने के लिए दर्ज आपराधिक मुकदमे से राहत मिलेगी। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक सिद्धांत रूप में समझौते के तहत कंपनी को आपराधिक मामले को खारिज करने के बदले में दुर्घटना पीड़ितों के परिवारों के लिए अतिरिक्त 445 मिलियन अमेरिकी डॉलर सहित 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक करम चुकानी होगी। बताया जाता है कि इससे निर्माता को संभावित आपराधिक सजा से बचने में मदद मिलेगी। अब टेक्सास के फोर्ट वर्थ में अमेरिकी जिला न्यायाधीश रीड ओकॉनर यह फैसला लेना है कि मामले को खारिज करने के प्रस्ताव को स्वीकार किया जाए या नहीं, गैर-अभियोजन समझौते की शर्तों को स्वीकार किया जाए या नहीं, तथा मुकदमे को रद्द किया जाए या नहीं। ओकॉनर ने गुरुवार को सभी वकीलों को आदेश दिया कि वे चार जून तक सरकार के प्रस्ताव पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें। लेकिन इस फैसले का कई पीड़ित परिवारों ने विरोध किया है। हालांकि न्याय विभाग ने कहा है कि प्रस्तावित समझौते में पीड़ितों के परिवारों के विचार शामिल थे।

क्या बोले पीड़ित परिवार : मैसाचुसेट्स निवासी नादिया मिलरॉन की 24 वर्षीय बेटी

सम्या स्टुमो की इथोपिया दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। नादिया ने कहा कि न्याय विभाग का झूठा बयान पढ़कर उन्हें दुख हुआ कि यह समझौता सार्थक जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। सार्वजनिक लाभ प्रदान करेगा और एक जटिल मामले को अंतिम रूप देगा जिसका परिणाम अन्यथा अनिश्चित होगा। यह कोई मुश्किल या जटिल मामला नहीं है क्योंकि बोइंग ने अपराध स्वीकार किया है। कंपनी ने क्या कहा? बोइंग ने कहा कि कंपनी अपने दायित्वों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आगे संस्थागत सुधार और निवेश के प्रति प्रतिबद्धता, साथ ही दोनों विमान दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवारों को अतिरिक्त मुआवजा देगा। हमें उनके नुकसान के लिए गहरा खेद है, तथा हम अपनी कंपनी में व्यापक और गहरे बदलावों को आगे बढ़ाते हुए उनके प्रियजनों की यादों को सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमने अपनी सुरक्षा प्रणाली और संस्कृति को मजबूत करने के लिए किए हैं। ऐसा नहीं होगाः मार्क लिंडक्विस्ट दर्जनों पीड़ितों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील मार्क लिंडक्विस्ट ने एक बयान में कहा कि ,वह अधिक सशक्त अभियोजन देखना चाहते थे, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि ऐसा होने जा रहा है। इस समय, मैं केवल यही उम्मीद कर सकता हूं कि आपराधिक मामले और मुकदमों ने बोइंग को सुरक्षा में सुधार करने के लिए प्रेरित किया होगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डुमस साइलेंट ज़ोन में फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड घोटाला

CID क्राइम ने सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट कानालाल गामित को किया गिरफ्तार,कोर्ट ने 4 दिन की रिमांड मंजूर की।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डुमस साइलेंट ज़ोन में फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाकर करोड़ों की ज़मीन घोटाले के मामले में CID क्राइम ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

इस केस में कानालाल पोषलाभाई गामित को गिरफ्तार किया गया है, जो सिटी सर्वे कार्यालय में सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत थे। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की रिमांड की मांग की गई थी, लेकिन कोर्ट ने 4 दिन की रिमांड मंजूर की है। इससे पहले इसी केस में सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट अनंत पटेल की गिरफ्तारी हो चुकी है।

डुमस, वाटा और गवियर इलाके की ज़मीन पर 135 से अधिक फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाकर घोटाला करने वालों के खिलाफ आज़ादभाई चतुरभाई रामोलिया ने CID क्राइम में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर DYSP ए.एम. कैप्टन ने गहन जांच शुरू की थी।

इस घोटाले में समृद्धि कॉर्पोरेशन फर्म से जुड़े कई नामी बिल्डरों की संलिप्तता भी सामने आई है। गिरफ्तार किए गए काना पोषला गामित की भूमिका प्रॉपर्टी कार्ड की डेटा एंट्री लॉगिंग और सुपरविजन अधिकारी के रूप में थी।

शिकायतकर्ता आज़ादभाई चतुरभाई रामोलिया (निवासी: लक्ष्मी विलास कॉम्प्लेक्स, घोढ़दौड़ रोड, सूरत) ने सूरत शहर के डुमस और वांटा इलाके में स्थित कुल 7 प्लॉट्स - ब्लॉक नंबर 815, 801/2, 803, 823, 787/2, 812 और 61 के संबंध में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन जमीनों के नकली प्रॉपर्टी कार्ड तैयार कर, फर्जी दस्तावेज़ बनाकर प्लॉटिंग की गई और "साइलेंट ज़ोन" नाम की स्कीम के तहत आम नागरिकों को बेची गई।

फर्ज़ी प्रॉपर्टी कार्ड बनाए थे करोड़ों के ज़मीन घोटाले में सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट कानालाल

शनिवार को CID क्राइम ने कानालाल गामित को कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने उन्हें 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने बताया कि कानालाल गामित वर्ष 2021 में ACB की रिश्वतखोरी के केस में पकड़े गए थे, जिसके बाद सरकार ने उन्हें नौकरी से रिटायर कर दिया था।

डुमस, वाटा और गवियरा के किसानों के नाम पर बनाए गए 357 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड की शुरुआत डाटा एंट्री के लिए ऑपरेटरों के जरिए हुई थी। इसके बाद इन कार्डों का वेरिफिकेशन सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट अनंत पटेल ने अपने आईडी से किया था। वेरिफिकेशन के समय जरूरी डॉक्यूमेंट्स भी नहीं लगाए गए थे, जो नियम के खिलाफ है। इसके बाद अनंत पटेल ने ये फर्जी कार्ड प्रमोलेगेशन के लिए कानालाल गामित को भेजे, और उन्होंने बिना जांच के ही इन्हें प्रमोलेगेट कर दिया। ये सारे फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड साल 2020-21 के बीच मात्र 6 महीनों में बनाए गए थे।

CID अब इस मामले की भी जांच कर रही है कि कानालाल गामित ने ये काम किसके कहने पर किया था।

कानालाल की कॉल डिटेल से कई चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं

CID क्राइम अगर कानालाल गामित के मोबाइल की कॉल डिटेल्स की जांच कराए, तो यह सामने आ सकता है कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल था। इस केस में पहले ही 18 तारीख को महाराष्ट्र के पुणे स्थित ओशो आश्रम से सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट अनंत दाह्याभाई पटेल को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस केस में गिरफ्तार हुए आरोपी कानालाल गामित उस समय सूरत सिटी सर्वे विभाग में वर्ग-1 के डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने समृद्धि कॉर्पोरेशन फर्म के भागीदारों और कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के साथ मिलकर करोड़ों की सरकारी जमीन को गलत तरीके से निजी संपत्ति के रूप में दर्शाकर दस्तावेज़ों में हेराफेरी की थी।

आरोपियों में फर्म, डेटा एंट्री स्टाफ और सरकारी कर्मचारी शामिल

शिकायत में कानालाल गामित के अलावा, अनंत दाह्याभाई पटेल,एक डेटा एंट्री ऑपरेटर, तथा "समृद्धि कॉर्पोरेशन" फर्म के सभी भागीदारों और उनके कार्यालय के कर्मचारियों समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। CID क्राइम ने तुरंत जांच शुरू की और तकनीकी व दस्तावेजी सबूतों के आधार पर कानालाल गामित की पहचान कर उन्हें अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।

आरोपी कानालाल पोसलाभाई गामित (उम्र 57 वर्ष) सेवानिवृत्त होने के बाद मधुवन अपार्टमेंट, थलतेज-शीलज रोड, अहमदाबाद में रहते थे। मूल रूप से वे तलुका सोंगढ, जिला तापी के चोरवाड गांव के निवासी हैं।

मर्सिडीज जलाने वाले दो आरोपी पकड़े गए एक मॉडल के पूर्व प्रेमी का दोस्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पॉश इलाके में 29 मई को एक प्रसिद्ध मॉडल की मर्सिडीज में आग लगाने का मामला सामने आया था। इस मामले में अब नए खुलासे हो रहे हैं। मॉडल ने इस संबंध में दो पुलिस थानों में शिकायत दर्ज करवाई थी। वेसु पुलिस स्टेशन में मर्सिडीज में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगाने की और अलथाण पुलिस स्टेशन में मितेश जैन नाम के व्यापारी पर इंस्टाग्राम पर उनके नाम से फेक अकाउंट बनाकर उनके पर्सनल फोटो अपलोड करने की शिकायत की गई थी। मर्सिडीज में आग लगाने के मामले में वेसु पुलिस ने कुछ ही घंटों में वडोदरा से मितेश जैन और उसके दोस्त सच्चू राय को गिरफ्तार कर लिया है।

'2017 में दोस्ती हुई और 2024 में रेप का मामला दर्ज किया'

मॉडल ने मितेश जैन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि 2017 में हमारी दोस्ती शुरू हुई थी। उसने यह नहीं बताया था कि वह शादीशुदा है। 2018 में मुझे पता चला कि वह शादीशुदा है। इसलिए मैंने इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया। लेकिन वह रिश्ता खत्म होने नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया। इसी कारण मैंने 2024 में उसके खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद से लेकर आज तक वह मुझे और मेरे परिवार को ब्लैकमेल करता रहा है और मेरा पीछा करता रहा है।

'मितेश हर दो महीने में मेरी गाड़ियों में तक्र लगाता रहा है'

'वह सभी गाड़ियों में ट्रैकिंग डिवाइस लगाता है। मेरी गाड़ियों में आग लगाने की कोशिशें की गई हैं। मितेश हर दो महीने में मेरी गाड़ियों में GPS लगाता रहा है। हमारी पहली कार होंडा सिटी पर पत्थर फेंककर हमला कराया गया था। जब मेरे जीजाजी की कार में भी आग लगाई गई थी। उसके बाद मेरी मर्सिडीज़ में भी आग लगा दी गई। घर की दो कारों में भी कल ट्रैकिंग डिवाइस मिले हैं।'

मुझे और मेरे परिवार को परेशान कर रहा है। मुझे धमकी देता है कि अगर तू मेरी नहीं बनी तो मैं तुझे किसी की नहीं बनने दूंगा। अगर तुझे घमंड है तो मैं तुझ पर एसिड अटैक करवा दूंगा। एक बार वीकेंड में जब मैं अपने दोस्तों के साथ बैठी थी, तब वह बंदूक लेकर आया था और बंदूक से डराने की कोशिश की। हमने बचाव में बंदूक छीनने की कोशिश की तो उसमें से गोली चल गई। उसने मुझे मारने की भी धमकी दी। मेरे और मेरे परिवार की जान को खतरा है।

अलथाण पुलिस स्टेशन में दर्ज दूसरी शिकायत के अनुसार, मितेश जैन ने फेक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया, जिसमें मॉडल के पहले के निजी फ़ोटो पोस्ट किए गए थे। मॉडल ने इस घटना को कष्टदायक और मानसिक रूप से तोड़ देने वाली बताया है।

वर्तमान में वेसु पुलिस थाना तथा अलथाण पुलिस दोनों घटना स्थलों पर लगी CCTV फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मॉडल के सभी आरोपों की गंभीर जांच कर रही हैं। डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने स्पष्ट किया है कि दोनों पुलिस टीमें गंभीरता से संबंधित सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही हैं। अपराध साबित करने के लिए फोरेंसिक सहायता भी ली जा रही है।

इसके पहले, गेल कॉलोनी के पास एक सोसाइटी में मॉडल ने अपनी मर्सिडीज कार पार्क की थी। रात लगभग 8:30 बजे दो लोग मोपेड पर आए, जिनमें से एक के मुँह पर रुमाल बंधा था। इसके बाद उन्होंने ज्वलनशील पदार्थ की बोतल कार पर डालकर आग लगा दी।

सूरत में मर्सिडीज जलाने के मामले के दो आरोपी, मितेश जैन और सच्चु राय को वडोदरा की सयाजीगंज पुलिस ने एपेक्स होटल से गिरफ्तार किया।

गत 22 अप्रैल को शहर के टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े एक व्यापारी और उनकी पत्नी के नाम से इंस्टाग्राम पर तीन फेक अकाउंट बनाए गए थे। व्यापारी की पत्नी ने मॉडल पर सोशल मीडिया के माध्यम से चरित्र हनन करने का गंभीर आरोप लगाते हुए उमरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के अनुसार, व्यापारी की पत्नी और उनके पति मितेश के फोटो के साथ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट मॉडल ने तीन फेक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए वायरल किए थे।

भ्रष्टाचार और कुप्रशासन को लेकर पाली सरपंच के खिलाफ सदस्यों ने डीडीओ को लिखित में निवेदन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कामरेज की पाली ग्राम पंचायत के सरपंच कौशिक आर. राठौड़ पर आत्ममर्जी, मनमानी और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। ग्राम पंचायत के चार पदाधिकारियों समेत ग्रामीणों ने शुक्रवार को सूरत जिला विकास अधिकारी को उनके खिलाफ लिखित में शिकायत सौंपी है।

शिकायत में कहा गया है कि सामान्य सभा और ग्रामसभा में पर्याप्त कोरम न होने के बावजूद कई असंवैधानिक प्रस्ताव पारित कर भारी भ्रष्टाचार किया गया। गांव के विकास कार्यों, जैसे कि सीवेज लाइन के कार्य में 1 नंबर की पाइप डालकर ठेकेदार के साथ मिलीभगत कर भ्रष्टाचार किया गया। कुछ स्थानों पर सीवेज का कार्य अधूरा रहने के बावजूद ठेकेदार को पूरी राशि का भुगतान कर दिया गया।

प्राथमिक स्कूल के पास पावर ब्लॉक सरपंच के नजदीकी लोगों को दे दिए गए। प्रस्ताव पास कर पंचायत द्वारा लिए गए फिल्टर प्लांट को डेढ़ साल से बंद छोड़ दिया गया, जिससे गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ता है। जब ग्राम विकास समिति के सदस्यों और ग्रामीणों को बुलाया गया और भ्रष्टाचार को रोकने की कोशिश की गई, तब उनके खिलाफ झूठी पुलिस शिकायत दर्ज करवाई गई।

कोई भी टेंडर प्रक्रिया अपनाए बिना फर्जी टेंडर के जरिए अपने नजदीकी व्यक्ति को मिट्टी खनन की अनुमति देकर सरकार को नुकसान पहुँचाया गया। पंचायत सदस्यों को विश्वास में लिए बिना मनमर्जी से खर्च किया गया और फर्जी बिल-वाउचर बनाए गए। सरपंच के रूप में गांव में अराजकता फैलाने, सार्वजनिक स्थानों पर असामाजिक तत्वों की भीड़ जमा कर धाक-धमकी देने जैसे कृत्य भी किए जा रहे हैं।

सरपंच राठौड़ ने आरोपों को नकारते हुए कहा कि वे सीधे मिट्टी बेच नहीं सकते। सुजलाम सुफलाम योजना के तहत परमिशन के बाद एजेंसी को खुदाई दी गई थी। सीवेज लाइन कार्य का भुगतान तालुका से तय माप के अनुसार ही किया गया है। बिसलेरी प्लांट वाली जगह पूरे गांव की है, जो पहले ग्रामीण चला रहे थे। अब पंचायत के अधीन है, लेकिन चाबी नहीं सौंपी गई। प्लांट को छोड़ दिया गया है। प्रांत अधिकारी के आदेश के अनुसार पंचायत संचालन कर रही है।

आवेदन देने वालों में चार पंचायत सदस्य शामिल हैं जिन्होंने आरोप लगाए हैं। जबकि सुजलाम सुफलाम योजना के प्रस्ताव के समय रीनाबेन, मीनाबेन, कौशिक मोरी और शीलाबेन उपस्थित थे, उस समय किसी ने कोई विरोध दर्ज नहीं कराया था।

दो वृद्धों के साथ ठगी

दमण में फ्लैट के नाम पर बिल्डर और दलाल ने 2 करोड़ रुपये ऐंठ लिए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमण के कथीरिया गांव में स्काय डेक नामक प्रोजेक्ट में फ्लैट देने के बहाने दो वृद्धों से लगभग 1.97 करोड़ की ठगी करने वाले बमरोली के बिल्डर और दलाल के खिलाफ खतोदरा पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उमरगाम के नव पल्लव बंगले में रहने वाले 69 वर्षीय अशोकभाई जमनाभाई सोपारीवाला सेवानिवृत्त जीवन बिता रहे हैं। वर्ष 2015 में उनकी मुलाकात सिटी लाइट इलाके में रहने वाले जमीन दलाल विजय से हुई थी। विजय ने उन्हें बताया कि दमण के कथीरिया गांव में 'स्काय डेक' नाम का एक प्रोजेक्ट बन रहा है, जिसमें सस्ते दामों में फ्लैट मिल सकते हैं।

अशोकभाई फ्लैट लेने को तैयार हो गए, तो विजय उन्हें बमरोली रोड, ओपेरा हाउस के पास स्थित किरण मोटर्स के ऊपर ऑफिस रखने वाले बिल्डर भरत भारवानी के पास ले गया। भरत ने उन्हें 1.75 करोड़ में सात फ्लैट देने की बात कही। अशोकभाई ने अपने नाम पर तीन और पत्नी अरुणाबेन के नाम पर चार फ्लैट बुक कराए और किश्तों में पैसे चुका दिए। पैसे देने के बावजूद अब तक बिल्डर ने फ्लैट का निर्माण पूरा नहीं किया और न ही पजेशन दिया।

इसी तरह, घोड़दोड़ रोड स्थित आधारशीला अपार्टमेंट में रहने वाले 69 वर्षीय जयेशकुमार हरीलाल दलाल से भी स्काय डेक प्रोजेक्ट में दो फ्लैट देने के नाम पर बिल्डर और दलाल ने 22.22 लाख ऐंठ लिए थे।

इस पूरे मामले में अशोकभाई और जयेशभाई ने खतोदरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने बिल्डर भरत और दलाल विजय के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

वित्त वर्ष 2024-25 में इफको का शानदार प्रदर्शन, नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47% की वृद्धि

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : विश्व की नंबर 1 सहकारी संस्था, इफको ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में 3,811 करोड़ रुपये का मुनाफ़ा दर्ज किया, साथ ही नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47% की वृद्धि दर्ज की। इस वित्त वर्ष (2024-2025) में नैनो-उर्वरकों की 365.09 लाख बोतलें बेची गईं, जबकि पिछले वित्त वर्ष (2023-2024) में 248.95 लाख बोतलें बेची गई थीं। वित्त वर्ष 24-25 के दौरान इफको ने 41,244 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया।

इफको के अध्यक्ष श्री दिलीप संघानी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि यह देश के पूरे सहकारी क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि इफको के शानदार विकास के आंकड़े "सहकार से समृद्धि" के सपने को साकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति ने लगातार तीन वित्तीय वर्षों में 3000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ दर्ज किया है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 23 लगातार वर्षों से इफको ने अपने सदस्यों को चुकता शेयर पूंजी पर 20% लाभांश देकर पुरस्कृत किया है - जो न्यायसंगत और सतत विकास के प्रति इसके समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय के समर्थन से नैनो-उर्वरक समिति के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र रहा है, व्यापक जागरूकता अभियान और अनुसंधान ने किसानों के बीच उत्पादों की स्वीकृति बढ़ाने में समिति की मदद की है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बेची गई 365 लाख बोतलों में से 268 लाख बोतलें इफको नैनो यूरिया प्लस (लिक्विड) और 97 लाख बोतलें इफको नैनो डीएपी (लिक्विड) की बेची गईं। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में इफको नैनो यूरिया प्लस (लिक्विड) की बिक्री 31% और इफको नैनो डीएपी (लिक्विड) की बिक्री 118% अधिक है। यह बिक्री मात्रा 12 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक यूरिया और 4.85 मीट्रिक टन पारंपरिक डीएपी के बराबर है। इफको के डब्ल्यूएसएफ/स्पेशलिटी फर्टिलाइजर्स/सागरिका ग्रेन्युल फर्टिलाइजर ने 1.92 लाख मीट्रिक टन की बिक्री हासिल की है। डब्ल्यूएसएफ/स्पेशलिटी फर्टिलाइजर्स की बिक्री 1.30 लाख मीट्रिक टन है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2% अधिक है। सागरिका लिक्विड की बिक्री 11.55 लाख लीटर है जो 33त्न अधिक है, सागरिका ग्रेन्युल 68,000 मीट्रिक टन है जो 28त्न अधिक है और जैव-उर्वरकों की बिक्री 8.61 लाख लीटर है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 35% अधिक है।